सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534

डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2023-25

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 16 अंक - 61 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, शनिवार 14 दिसंबर 2024 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

चुनाव में 8 लाख तक खर्च कर सकेंगे पार्षद प्रत्याशी: इलेक्शन-कमीशन ने तय किया लिमिट

रायपुर। छत्तीसगढ़ में नगरीय निकाय चुनावों को लेकर पार्षदों की खर्च सीमा तय कर दी गई है। ऐसे नगर पालिका निगम, जहां 3 लाख या उससे ज्यादा जनसंख्या है वहां पार्षद 8 लाख रुपए तक चुनावी खर्च कर सकेंगे। राजपत्र में ये अधिसूचना प्रकाशित कर दी गई है। एक दिन पहले ही निकाय-निगमों के विकास के लिए 88 करोड़ रुपए जारी किए गए हैं।

शीतकालीन सत्र के बाद निकाय चुनाव के लिए आचार संहिता लागू हो सकती है। चुनाव से पहले छत्तीसगढ़ सरकार ने पार्षदों के लिए 6-6 लाख रुपए विकास कार्यों के लिए जारी किए हैं। सीएम विष्णुदेव साय की पहल पर डिप्टी सीएम अरुण साव ने 14 नगर निगमों के पार्षदों के लिए 21 करोड़ 96 लाख रुपए एक दिन पहले ही जारी किए हैं। जबकि 166 नगरीय निकायों के पार्षदों के लिए कुल 66 करोड़ 6 लाख रुपए की पार्षद निधि भी जारी की गई।

प्रदेश के निकायों में ओबीसी को 50 फीसदी आरक्षण देने का फैसला कैबिनेट की बैठक में सरकार ने लिया था। इसे भी राज्यपाल की सहमति से राजपत्र में शामिल कर दिया गया है। इससे पहले ओबीसी को 25 प्रतिशत तक प्राथमिकता दी जाती रही है। शर्त ये भी रखी गई है कि जिन इलाकों में एससी-एसटी का आरक्षण पहले से 50 प्रतिशत या इससे ज्यादा है। वहां ओबीसी का 50 फीसदी आरक्षण नहीं रहेगा।

नगरीय निकाय चुनावों में अब मेयर और अध्यक्ष का चुनाव प्रत्यक्ष रूप से होगा। यानी पार्षद के साथ ही मेयर और अध्यक्ष के लिए भी जनता ही वोट करेगी। साय कैबिनेट की बैठक में यह फैसला लिया गया था। 2018 में प्रदेश में कांग्रेस की सरकार आने के बाद नियम बदला गया था। इसमें मेयर चुनने का हक पार्षदों को दिया गया था। हालांकि भूपेश कार्यकाल से पहले भी जनता ही पार्षदों के साथ मेयर को चुनती थी।

सुदर्शन पटनायक ने सैंड आर्ट से दिखाई विष्णु सरकार के सुशासन की झलक

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार के एक वर्ष पूर्ण होने पर राजधानी रायपुर स्थित साइंस कॉलेज में आयोजित जनादेश परब कार्यक्रम में पद्मश्री से सम्मानित सैंड आर्टिस्ट सुदर्शन पटनायक ने अपनी कला के माध्यम से मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के सुशासन और विकास को अभिव्यक्त किया। उन्होंने रेत की अद्भुत कृति तैयार कर छत्तीसगढ़ की उपलब्धियों को दर्शाया। इसका एक वीडियो कार्यक्रम में प्रस्तुत किया गया।

उल्लेखनीय है कि इस कार्यक्रम में केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय सहित मंत्री एवं अन्य जनप्रतिनिधि तथा हजारों की संख्या में लोग उपस्थित थे। कार्यक्रम में सुदर्शन पटनायक ने अपनी कला से सबका ध्यान आकर्षित किया। उनकी रेत की अद्भुत कृति ने सभी का मन मोह लिया। इस कृति में मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के सुशासन और विकास की झलक दिखाई दी। उन्होने सरकार की योजनाओं और उपलब्धियों को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ ने शिक्षा, स्वास्थ्य, आवास, पेयजल जैसी आधारभूत सुविधाओं में उल्लेखनीय प्रगति की है।

सुदर्शन पटनायक ने सैंड आर्ट के माध्यम से छत्तीसगढ़ सरकार की प्रधानमंत्री आवास, लोकतंत्र सेनानियों की पेंशन बहाली, कृषक उन्नति योजना, एक पेड़ मां के नाम, न्यौता भोज, महतारी वंदन, तेंदूपत्ता संग्राहकों की पारिश्रमिक वृद्धि, राजिम कुंभ, राम लला दर्शन योजना, नई औद्योगिक नीति, संवर रहा छत्तीसगढ़ और सुशासन का एक साल छत्तीसगढ़ हुआ खुशहाल को बड़े ही कलात्मक ढंग से उकेरा है। सुदर्शन पटनायक की इस कला ने जनता को न केवल छत्तीसगढ़ में एक वर्ष में हुए विकास का अहसास कराया बल्कि सुशासन की छवि को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत भी किया।

छत्तीसगढ़ में तैयार हो रही ईको-रेस्टोरेशन पॉलिसी, केरल के बाद देश का दूसरा राज्य

सीएम विष्णुदेव साय के निर्देश पर छत्तीसगढ़ में पर्यावरण बहाली पर हो रहा काम

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। पर्यावरण सरंक्षण व बहाली के लिए छत्तीसगढ़ में ईको-रेस्टोरेशन पॉलिसी तैयार की जा रही है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के मार्गदर्शदन में छत्तीसगढ़ राज्य में यह ईको-रेस्टोरेशन पॉलिसी तैयार हो रही है। भारत में केरल के बाद यह छत्तीसगढ़ देश का दूसरा राज्य है जो यह पॉलिसी तैयार कर रहा है। वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार की यह पहल पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास के क्षेत्र में राज्य को नई पहचान दिलाने की दिशा में एक ठोस प्रयास है।

भारत की ग्लोबल रेस्टोरेशन इनिशिएटिव, बॉन चैलेंज और संयुक्त राष्ट्र ईको-रेस्टोरेशन दशक में भागीदारी यह स्पष्ट करती है कि एक केंद्रित ईको-रेस्टोरेशन नीति अनिवार्य है। पारंपरिक वनीकरण, जो प्राय: अत्यधिक लागत वाला होता है और गैर-स्थानीय प्रजातियों पर आधारित होता है, सीमित पारिस्थितिक लाभ प्रदान करता है। इसे ध्यान में रखते हुए, सर्वोच्च न्यायालय ने 2021 में अपने निर्देश के तहत एक विशेषज्ञ समिति का गठन किया, जिसने ईको-रेस्टोरेशन को प्राथमिकता देने की सिफारिश की। जैव विविधता के संरक्षण, जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करने और सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) के साथ समन्वय स्थापित करने के लिए ईको-रेस्टोरेशन अत्यंत आवश्यक है। यह ज्पहल एक अधिक समावेशी और सुदृढ़ पर्यावरणीय भविष्य सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

वन क्षेत्रों को पुनः स्थापित करने का लक्ष्य

प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख वी श्रीनिवास राव ने बताया कि ईको-रेस्टोरेशन पॉलिसी का मसौदा तैयार किया जा रहा है। इस नीति का मुख्य उद्देश्य राज्य के खोए हुए वन क्षेत्रों, आर्द्रभूमियों और अन्य पारिस्थितिक तंत्रों को पुनर्स्थापित करना है। नीति को अधिक प्रभावी बनाने के लिए विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों, हितधारकों एवं समाज के सभी वर्गों से सुझाव लिए जा रहे हैं। इस पॉलिसी का अंतिम मसौदा जनवरी माह में राज्य सरकार को प्रस्तुत किया जाएगा।

विशेषज्ञों ने दिए हैं ईको-रेस्टोरेशन के लिए सुझाव

छत्तीसगढ़ स्टेट सेंटर फॉर क्लाइमेट चेंज के तत्वाधान में दो राज्य स्तरीय परामर्श कार्यशालाओं का आयोजन किया जा चुका है। इन कार्यशालाओं में भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश के ईको-रिहैबिलिटेशन सेंटर के वैज्ञानिक, वानिकी विशेषज्ञ, भारतीय प्रबंधन संस्थान रायपुर के संकाय सदस्य और छात्र, कृषि, पंचायत और ग्रामीण विकास विभाग के अधिकारी, शोधकर्ता, शैक्षणिक क्षेत्र से जुड़े लोग, एनजीओ और समुदायों के प्रतिनिधि, वाइल्डलाइफ ट्रस्ट ऑफ इंडिया और अन्य विशेषज्ञों ने अपने सुझाव प्रस्तुत किए। इसके लिए आर्द्रभूमि प्रबंधन, शहरी पारिस्थितिकी संरक्षण, और खनन प्रभावित क्षेत्रों के पुनर्वास जैसे विशिष्ट मुद्दों पर विशेषज्ञों के सुझाव प्राप्त किए गए। कार्यशालाओं का मुख्य उद्देश्य छत्तीसगढ़ को पारिस्थितिक पुनर्स्थापना के क्षेत्र में एक व्यापक और प्रभावशाली नीति बनाने में सक्षम बनाना है, जो अन्य राज्यों के लिए भी एक उदाहरण बनेगी।

भिलाई में हाइवा से टकराए मोपेड सवार, दो सगे भाइयों की मौत

नंदिनी एयरोड्रम के पास हादसा

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दुर्ग जिले के नंदिनी थाना क्षेत्र में बीती रात हादसे में दो सगे भाइयों की दर्दनाक मौत हो गई। घटना नंदिनी एयरपोर्ट के पास की बताई जा रही है। दोनों भाई देर रात मोपेड पर दशगात्र कार्यक्रम से लौट रहे थे इस दौरान अंधेरा होने के कारण हाइवा की चपेट में आ गए। घटना की सूचना के बाद नंदिनी पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। फिलहाल हादसे की जांच की जा रही है।

नंदिनी पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार उदय भान चक्रधारी (65) और सतानंद चक्रधारी (71) ग्राम तरकोरी धमधा थाना निवासी शुक्रवार को जामुल थाना क्षेत्र के घासीदास नगर में दशगात्र कार्यक्रम में शामिल होने गए थे। दशगात्र कार्यक्रम होने के बाद दोनों रात को अपने घर तरकोरी जा रहे थे। बताया जा रहा है कि इस दौरान उनकी मोपेड की रफ्तार काफी तेज थी और नंदिनी अहिवारा के रास्ते जा रहे थे।

इस दौरान नंदिनी एयरड्रम के पास सड़क किनारे खड़े हाइवा के पीछे जा घुसे। टक्कर इतनी जोरदार थी कि मोपेड सवार दोनों का सिर हाइवा के पिछले हिस्से इतनी तेजी से टकराया कि उनका सिर वहीं फट गया। अधिक खून निकलने से दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। सूचना मिलने के बाद नंदिनी थाने की टीम मौके पर पहुंची। नंदिनी थाना प्रभारी मनीष शर्मा ने बताया कि उन्हें शुक्रवार रात 8 बजे की घटना है। शवों को पोस्टमार्टम के लिए लाल बहादुर शास्त्री अस्पताल सुपेला में भेजा गया है। शनिवार को दोनों को पीएम होने के बाद शवों को परिजनों को सौंपा जाएगा।

रायपुर में कारोबारी जिंदा जला, पत्नी को चाकू मार खुद लगाई आग

आगजनी से सिलेंडर फटा, पड़ोसी व पुलिस कर्मी भी झुलसे

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी रायपुर में कार एसेसरीज का कारोबार करने वाले व्यापारी ने पत्नी को चाकू मारने के बाद घर में आग लगा दी। आगजनी से घर पर रखा सिलेंडर ब्लास्ट हो गया जिससे व्यापारी की मौत हो गई है। व्यापारी को बचने गए पड़ोसी व पुलिस कर्मी भी इसमें घायल हुए हैं। वहीं पत्नी को घायल अवस्था में अस्पताल ले जाया गया। घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई है। फ्लिहाल पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

मिली जानकारी के अनुसार यह पूरा मामला खमतराई थाना क्षेत्र के भनपुरी स्थित रामेश्वर नगर का है। शुक्रवार दंर रात लगभग 11 बजे खमतराई थाना पेट्रोलिंग पार्टी को सूचना मिली कि रामेश्वर नगर में एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी पर चाकू से हमला करने के बाद घर में आग लगा दी। पत्नी किसी तरह जान बचाकर अपने बच्चे के साथ पड़ोसी के घर में छिप गई। इधर आगजनी के कारण घर का सिलेंडर ब्लास्ट हो गया और आग फैल गई।

सूचना के बाद मौके पर गई पेट्रोलिंग टीम ने खमतराई थाने को भी सूचना दी। इसके बाद पड़ोसियों ने फायर ब्रिगेड को सूचना दी। फायर ब्रिगेड ने पहुंचकर आग पर काबू पाया। आगजनी में घर का सारा सामान व बाहर रखी गाड़ियां जल गई। आग में झुलसने से व्यापारी बी अमरेश्वर राव (45) की मौत हो गई। वहीं उसे बचाने के चक्कर में तेज आग की लपटों में दो सिपाही हेमंत गिलहरे और विकास सिंह भी चोटिल हो गए। इसके अलावा दो पड़ोसी विक्रम ठाकुर और चेतन दास भी घायल हो गए।

कारोबार में नुकसान से परेशान था अमरेश्वर

प्रारंभिक जांच के बाद पुलिस ने बताया कि अमरेश्वर राव मूल रूप से महेंद्रगढ़ का रहने वाला था। उसकी रायपुर में कार एसेसीरीज की दुकान थी। कारोबार में नुकसान के कारण दुकान बंद हो गई। शुक्रवार को देर रात पति पत्नी के बीच विवाद हुआ । विवाद बढ़ने पर उसने पत्नी संध्या के गले में चाकू से हमला कर दिया। महिला बेटी को लेकर पड़ोसी के यहां चली गई और इस बीच अमरेश्वर ने घर पर आग लगा दी। इसी आग से सिलेंडर ब्लास्ट हुआ और आग भड़क गई। इसी आग में बुरी तरह झुलसने के कारण अमरेश्वर की मौत हो गई। जब आग लगी तो उसे बचाने पड़ोसी व पुलिस कर्मी भी पहुंचे जो झुलस गए। उन्हें भी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। फिलहाल खतराई पुलिस घटना की जांच कर रही है।

दुर्ग-छपरा सारनाथ एक्सप्रेस अब नहीं रहेगी रद्द प्रयागराज कुंभ के कारण रेलवे ने बदला निर्णय

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दुर्ग से छपरा व छपरा से दुर्ग के बीच चलने वाली सारनाथ एक्सप्रेस पर बड़ा अपडेट आया है। दरअसल ठंड व घने कोहरे के कारण हर साल सारनाथ एक्सप्रेस को दिसंबर से फरवरी के बीए एक दिन छोड़कर एक दिन चलाया जाता है। इस साल भी रेलवे ने 2 दिसंबर से 27 फरवरी के बीच सारनाथ को एक दिन की आड़ में रद्द कर दिया था। प्रयागराज महाकुंभ को देखते हुए रेलवे ने इसे रीस्टोर करने का निर्णय लिया है।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के अंतर्गत दुर्ग से छपरा व छपरा से दुर्ग चलने वाली सारनाथ दिसबंर से फरवरी के बीच अब रद्द नहीं रहेगी। दुर्ग-छपरा-दुर्ग सारनाथ एक्सप्रेस को दिनांक 02 दिसम्बर, 2024 से 27 फरवरी, 2025 के बीच पूर्व में ही इस गाड़ी को कोहरे की अग्रिम आशंका के कारण कुछ तिथियों में रद्द किया गया था। प्रयागराज महाकुंभ के दौरान प्रयागराज जाने वाले रेल यात्रियों की मांग को ध्यान रखते हुये रेल प्रशासन के द्वारा रद्द की गयी सारनाथ एक्सप्रेस को 17 दिसम्बर, 2024 से पुन: नियमित परिचालन शुरू किया जा रहा है ।

तीन स्पेशल ट्रेनें भी चला रहा रेलवे

प्रयाग राज महाकुंभ मेले के दौरान ट्रेन में होने वाली अतिरिक्त भीड़ के नियंत्रण के लिए रेल यात्रियों को अधिक से अधिक कन्फर्म बर्थ सीट की सुविधा उपलब्ध कराने दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे द्वारा तीन कुंभ मेला स्पेशल ट्रेनों का परिचालन किया जा रहा है। रायगढ़, बिलासपुर एवं दुर्ग स्टेशनों से चलायी जा रही हैं।

अल्लू अर्जुन का कसूर क्या है?

श्रीकंचनपथ

अल्लू अर्जुन को आज सुबह जेल से रिहा कर दिया गया। फिल्म पुष्पा से बेहद लोकप्रिय हुए अल्लू अर्जुन पुष्पा-2 में भी हैं। वे जहां जा रहे हैं, भीड़ उन्हें देखने-छूने के लिए मरी जा रही है। 4 दिसम्बर को फिल्म रिलीज हो रही थी। फिल्म का प्रीमियर देखने के लिए अल्लू अर्जुन भी हैदराबाद के 'संध्या ।0 एमएम' थिएटर पहुंचे थे। उन्हें करीब से देखने और उनके साथ मूवी देखने के लिए भीड़ लग गई। लोगों की सांस घुटने लगी और फिर पुलिस ने लाठी चार्ज कर दिया। इसके बाद भगदड़ मच गई और बहुत सारे लोग बेहोश हो गए। इनमें से एक महिला की बाद में मौत हो गई। मामले में अल्लू अर्जुन के खिलाफ गैर इरादतन हत्या का मामला दर्ज कर लिया गया। कानून-व्यवस्था की ड्यूटी से झल्लाई पुलिस ने इसके बाद अपना गुस्सा अल्लू पर ही उतारा। पुलिस टीम उसे गिरफ्तार करने पहुंची। उस समय अल्लू नाश्ता कर रहे थे। पुलिस ने अपने तेवर दिखाए और अल्लू जैसे थे, जिस हाल में थे, उसी में उसे गिरफ्तार कर लिया। अल्लू नाश्ता पूरा नहीं कर पाए। चाय भी उन्हें बाहर लाकर दी गई। पुलिस ने अल्लू को 12 बजे उनके घर से उठाया और शाम 4 बजे लोकल कोर्ट में पेश किया। अल्लू को गैरजमानती धाराओं में गिरफ्तार किया गया था। लोकल कोर्ट ने उन्हें 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया। अल्लू के वकील तुरन्त हाईकोर्ट पहुंचे। हाईकोर्ट ने 50 हजार रुपए के व्यक्तिगत मुचलके पर अल्लू को तत्काल रिहा करने के आदेश दिये। पर जेल प्रशासन ने अल्लू को आज सुबह रिहा किया। जेल प्रशासन का कहना था कि उसे रिलीज पेपर्स ऑफिशियली नहीं मिले थे जबकि अल्लू के वकील का दावा है कि उसने देर शाम को पेपर्स जेल प्रशासन को दिये थे। वैसे इस घटनाक्रम से पहले भी कुछ ऐसा ही हुआ था। थिएटर प्रबंधन ने कहा है कि 2 दिसम्बर को ही उसने पुलिस को अल्लू सहित फिल्म यूनिट के आने की सूचना देकर बन्दोबस्त की मांग की थी। पर पुलिस ने इसे गंभीरता से नहीं लिया। उधर पुलिस का कहना है कि उसे कोई सूचना नहीं थी। अल्लू बिना बताए पहुंचे, इसलिए भगदड़ मची। दरअसल, मामला बेकाबू भीड़ का है। इसके खास विशेषज्ञ होते हैं। बटोरने के भी और कंट्रोल करने के भी। किस नेता या किस बाबा के आने पर कितने लोगों को इकट्ठा करना है, कितने लोगों को इकट्ठा किया जा सकता है इसका अलग आर्ट, कॉमर्स और साइंस है। भीड़ को संभालने का भी अपना अलग सिस्टम है। खाकी वर्दी देखकर लोगों का जोश उबाल मारने लगता है। इसलिए बड़े आयोजक बाउंसर्स रखते हैं। पुलिस से उलझने वाले भी बाउंसर्स से दूर ही रहते हैं। बाउंसर आंख नहीं मिलाता, वो न बात करता है न बहस करता है सीधे थप्पड़ मारता है। ज्यादा हुआ तो उठाकर बाहर फेंक देता है। थिएटर वालों से गलती हो गई।

संपादकीय

अब ख्याल आया कि संसद चले, चर्चा हो

राहुल गांधी तो राहुल गांधी हैं। अपनी मौज में रहते हैं। कब क्या कहेंगे,कब क्या करेंगे यह तो उनके अलावा कोई जानता नहीं है।पार्टी के लोगों की बड़ी जिम्मेदारी होती है कि राहुल गांधी ने जो कुछ कहा है उसे सही साबित करें, जो किया है, उसे सही साबित करें। वे कांग्रेस के बड़े नेता हैं, अपनी मर्जी से काम करते हैं, जो सोच लिया वही सही है,सोच लिया सही है तो वह उस मुद्दे को छोड़ते नहीं है। चाहे पार्टी को नुकसान हो जाए चाहे संसद को नुकसान हो जाए।

कई बार नुकसान होने के बाद उनको एहसास कराया जाता है कि इतना नुकसान हो गया है तो नुकसान की भरपाई के लिए क्या किया जा सकता है, इस पर सोचते हैं और नुकसान की भरपाई करने की कोशिश करते हैं तब तक जो नुकसान हो चुका रो चुका होता है, वह हो चुका होता है। अडानी के मामले में पहले दिन से रोज हंगामा होने के कारण संसद में कामकाज बहुत कम हुआ है, इतना कम हुआ है कि कहा जा सकता है कि संसद 11 दिन से ठप है।जब संसद में कामकाज ही नहीं होना है तो संसद सत्र बुलाने का कोई मतलब नहीं रह जाता है। संसद सत्र तो बुलाया इसलिए जाता है कि सांसद अपने क्षेत्र के मुद्दे उठाएंगे और सरकार से सवाल पूछेंगे। सरकार से मांग करेंगे। देश की जनता की समस्याओं पर बहस करेंगे। सरकार देश व जनहित में कानून बनाएगी। सांसद सवाल पूछेंगे तो सरकार की तरफसे उसका जवाब दिया जाएगा।

संसद चर्चा करने की जगह है, बहस करने की जगह है, हंगामा करने की जगह नहीं है जनता जिन लोगों को सांसद चुनती है उनको इसलिए चुनती है कि वह अपने क्षेत्र के मुद्दे उठाएंगे, उस पर सरकार से जवाब चाहेंगे। जनता सांसद हंगामा करने के लिए किसी को चुनती नहीं है। लेकिन हर सत्र में कुछ सांसदों का आचरण देखा जाए तो लगता है कि जनता ने इनको इसी काम के लिए चुना है। संसद में 10 दिन हंगामा के बाद राहुलगांधी को ख्याल आया कि संसद चलनी चाहिए,चर्चा होनी चाहिए। राहुल गांधी नेता प्रतिपक्ष होने के नाते पहले दिन से ही इस बात का खास ख्याल रखना था कि संसद चलनी चाहिए, संसद में बहस होनी चाहिए। 10 दिन बाद यह ख्याल आया चलो देर से ही सही संसद चलनी चाहिए, संसद में चर्चा होनी चाहिए।

नेता प्रतिपक्ष होने के नाते राहुल गांधी को मालूम होना चाहिए कि संसद नहीं चलने से सरकार को कोई नुकसान नहीं होता है। वह तो अपने बिल संसद के आखिरी दो तीन दिन में पास करवा लेती है। सरकार का कोई काम नहीं रुकता है, उसका काम तो चलता रहता है। संसद नहीं चलने से पूरा नुकसान तो विपक्ष का होता है क्योंकि उसको मुद्दे उठाने का मौका नहीं मिलता, उस पर चर्चा करने का मौका नहीं मिलता, सरकार से अपने सवालों का जवाब मांगने का मौका नहीं मिलता। सरकार की आलोचना करने का मौका नहीं मिलता है, सरकार को घेरने का मौका नहीं मिलता है। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को दस दिन बाद सही संसद चलने व चर्चा होने को लेकर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला चर्चा की तो यह अच्छी बात है।

अभी भाजपा वालों ने अपना रुख साफनहीं किया है कि वह क्या चाहते हैं। संसद में शुरू के दिनों में तो राहुल गांधी व विपक्ष के सांसद अडानी के मुद्दे को लेकर संसद चलने नहीं दे रहे थे। और सरकार से कह रहे थे कि संसद चलाने की जिम्मेदारी तो सरकार की है. जो नहीं कहा गया वह यह था कि सरकार चलाने की जिम्मेदारी विपक्ष की तो है ही नहीं। विपक्ष काम तो एक बड़े मुद्दे पर सरकार से सवाल पूछना है, सरकार जवाब न दे, चर्चा न कराए तो हंगामा करना है। पिछले कुछ दिनों से भाजपा वालों ने जार्ज सोरोस के मुद्दे को लेकर राहुल गांधी व सोनिया गांधी से कई सवाल पूछे हैं तथा उसका जवाब देने को कहा है, कांग्रेस की तरफसे कोई जवाब नहीं दिया गया है।बस इतना कहा गया है कि अडानी के मुद्दे से ध्यान भटकाने के लिए सोरोस का मुद्दा लाया गया है। भाजपा सोरोस के मुद्दे पर रोज कांग्रेस से सवाल पूछ रही हैऔर इसे लेकर संसद में हंगामा हो रहा है।

पहले सिर्फकांग्रेस संसद नहीं चलने दे रही थी, अब तो भाजपा भी उसी रास्ते पर चल निकली है। संसद चलाना तुम्हारी जिम्मेदारी नहीं है तो भाजपा की भी जिम्मेदारी नहीं है। उसको भी अपने सवालों के जवाब चाहिए। जब तक जवाब नहीं दिया जाएगा, सवाल रोज पूछे जाते रहेंगे। बहुत दिनों बाद संसद में भाजपा आक्रामक हुई है या कहें कि कांग्रेस ने आक्रामक होने पर मजबूर कर दिया।वह कांग्रेस के हंगामें का जवाब हंगामे से दे रही है और अब कांग्रेस वाले चाहते हैं कि संसद चलनी चाहिए। कांग्रेस व राहुल गांधी को रास्ते पर भाजपा ने यह अच्छा तरीका खोजा है कि कांग्रेस हंगामा करती है तो उससे ज्यादा हंगामा करो।वह संसद नहीं चलने देती है, खुद भी उससे ज्यादा संसद न चलने दे और एहसास कराए कि हम जो कर रहे हैं वह गलत है तो आप जो कर रहे थे वह भी गलत है।

भाजपा से पहले टीएमसी व सपा ने भी कांग्रेस को उसकी गलती का एहसास कराने का प्रयास किया था कि अडानी का मुद्दा बड़ा मुद्दा नहीं है, संभल का मुद्दा बड़ा मुद्दा है लेकिन राहुल गांधी को यह बात समझ नहीं आई। एक दिन संभल जाने को निकले और फिर से अडानी के मुद्दे पर संसद परिसर में रोज नया नाटक, ऐसा नाटक कि सब कह रहे हैं कि इन लोगों को संसद की गरिमा व परंपराओं का जरा भी ख्याल नहीं है। बाद में विपक्ष के नेता जब कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफलामबंद होने लगे तो कांग्रेस को अपनी गलती का एहसास हो रहा है, वह संसद चलने देना चाहती है, बहस होने देना चाहती है।

विपक्ष को एकजुट करने राज्यसभा के सभापति के खिलाफअविश्वास प्रस्ताव का नोटिस दिया। इस पर विपक्ष के 50 से ज्यादा सांसदों ने दस्तखत किए हैं लेकिन कांग्रेस की यह कवायद हो या राहुल गांधी संसद चलने देने के लिए ओम बिरला से मिलने की कवायद हो। कुछ भी काम नहीं आने वाला है। इंडी गठबंधन की अगली बैठक में ममता बैनर्जी को गठबंधन की कमान सौंप दी जाएगी, लालू प्रसाद ने कह दिया मतलब बात अब फाइनल हो गई है।

गठबंधन की कमान ममता को सौंपने के साथ ही यह बात भी साफहो जाएगी राहुल गांधी को बहुत समय दिया गया गठबंधन को चलाने व भाजपा को हराने के लिए लेकिन वह ऐसा नहीं कर सके। वह अयोग्य साबित हुए हैं। यह राहुल गांधी का दूसरी बड़ी असफलता होगी क्योंकि पहली बड़ी असफलता तो वह अब तो मोदी को लोकसभा चुनाव में हरा नहीं सके हैं। वह मोदी के सामने हारे हुए नेता है, इसलिए सबके सामने हारे हुए नेता हैं। हारे हुए नेता को कोई नेतृत्व के लायक नहीं समझता है क्योंकि उसको नेतृत्व सौंपने का मतलब होता है कि अगली हार तय है।

नजरिया

ग्रामीण स्तर पर महिला श्रम शक्ति भागीदारी में 69 फीसदी की वृद्धि

महिला श्रम बल भागीदारी दर: आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण (पीएलएफएस) 2017-18 से 2022-23 का अवलोकनात्मक विश्लेषण

डॉ. शमिका रवि (ईएसी-पीएम),
डॉ. मुदित कपूर (आईएसआई, दिल्ली)

महिला श्रम शक्ति भागीदारी दर (एलएफपीआर) महिलाओं के आर्थिक सशक्तीकरण और समग्र आर्थिक समावेशिता का एक महत्वपूर्ण संकेतक है। यह शोध पत्र 2017-18 से भारतीय राज्यों, विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में महिला एलएफपीआर में उल्लेखनीय पुनरुत्थान को उजागर करते हुए कठोर अर्थमितीय विश्लेषण प्रस्तुत करता है। अनुभवजन्य विश्लेषण के लिए तीन व्यापक विषय हैं: (1) महिला एलएफपीआर में हालिया रुझान, (2) एलएफपीआर पर वैवाहिक स्थिति और मातृत्व-पितृत्व का प्रभाव, और (3) भारत के सभी क्षेत्रों और राज्यों में उम्र और लिंग के साथ एलएफपीआर में भिन्नता।

इस अध्ययन में इस्तेमाल किया गया डेटा सभी उपलब्ध (2017-18 से 2022-2023) में आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण (पीएलएफएस) से लिया गया है। पीएलएफएस 2.5 मिलियन से अधिक व्यक्तियों के लिए विस्तृत रोजगार और जनसांख्यिकीय डेटा प्रदान करता है, जिससे राष्ट्रीय, राज्य और ग्रामीण-शहरी स्तरों पर रुझानों और विविधताओं का विश्लेषण संभव हो पाता है। एलएफपीआर की गणना 15 वर्ष और उससे अधिक आयु की कुल आबादी के सापेक्ष नियोजित और बेरोजगार व्यक्तियों (काम की तलाश करने वाले या काम के लिए उपलब्ध) के प्रतिशत के रूप में की जाती है।

परिणाम तीन खंडों में प्रस्तुत किए गए हैं। परिणामों का पहला सेट 2017-18 से 2022-23 तक महिला एलएफपीआर के रुझान को दर्शाता है। राष्ट्रीय स्तर पर, ग्रामीण महिला एलएफपीआर 24.6 फीसदी से बढ़कर 41.5 फीसदी (69 फीसदी वृद्धि) हो गई, जबकि शहरी एलएफपीआर मामूली रूप से 20.4 फीसदी से बढ़कर 25.4 फीसदी (25 फीसदी वृद्धि) हो गई। महत्वपूर्ण अंतरराज्यीय भिन्नताएं हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में, झारखंड (233 फीसदी वृद्धि) और बिहार (6× वृद्धि) जैसे राज्यों में महत्वपूर्ण वृद्धि देखी गई है। पूर्वोत्तर राज्यों ने भी उल्लेखनीय वृद्धि दिखाई (उदाहरण के लिए, नगालैंड: 15.7 फीसदी से 71.1 फीसदी) की वृद्धि। राष्ट्रीय स्तर पर, शहरी क्षेत्रों में कुल मिलाकर मामूली वृद्धि देखी गई।

परिणामों का दूसरा सेट, आयु, वैवाहिक स्थिति और घरेलू संरचना, विशेष रूप से 14 वर्ष से कम आयु के बच्चों की उपस्थिति के आधार पर महिला एलएफपीआर प्रस्तुत करता है। सामान्य रुझान दर्शाते हैं कि लगभग सभी राज्यों में महिला एलएफपीआर में वृद्धि हुई है, जिसमें ग्रामीण क्षेत्रों में शहरी क्षेत्रों की तुलना में अधिक वृद्धि देखी गई है। हमने यह भी पाया कि ग्रामीण क्षेत्रों में विवाहित महिलाओं ने अविवाहित महिलाओं की तुलना में अधिक भागीदारी वृद्धि दिखाई है। राजस्थान और झारखंड जैसे राज्यों ने विशेष रूप से विवाहित महिलाओं के बीच महत्वपूर्ण वृद्धि दिखाई। हालांकि, महत्वपूर्ण क्षेत्रीय और अंतरराज्यीय भिन्नताएं हैं। उत्तरी राज्यों में, पंजाब और हरियाणा में महिला एलएफपीआर कम रही। पूर्वी राज्यों में, ग्रामीण बिहार में देश में सबसे कम एलएफपीआर था, लेकिन हाल के वर्षों में इसमें महत्वपूर्ण सुधार हुआ है - विशेष रूप से ग्रामीण विवाहित महिलाओं के लिए। पूर्वोत्तर राज्यों में, ग्रामीण क्षेत्रों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, जिसमें नगालैंड और अरुणाचल प्रदेश सबसे आगे हैं। पूर्वोत्तर के शहरी क्षेत्रों में विवाहित महिलाओं के बीच मध्यम वृद्धि देखी गई है, जबकि देश के अन्य हिस्सों में शहरी क्षेत्रों में विवाहित महिलाओं के लिए मामूली वृद्धि देखी गई है। पश्चिमी और दक्षिणी राज्यों में, एलएफपीआर में वृद्धि मुख्य रूप से ग्रामीण महिलाओं के बीच केंद्रित है, जबकि शहरी क्षेत्रों में केवल मामूली वृद्धि देखी गई है। आंध्र प्रदेश में बच्चों वाली शहरी महिलाओं की एलएफपीआर में बड़ी गिरावट आई है।

परिणामों का तीसरा सेट लिंग और आयु के आधार पर एलएफपीआर में अंतर प्रस्तुत करता है। इसमें पाया गया कि वैवाहिक स्थिति और बच्चों की उपस्थिति प्रत्येक श्रेणी के लिए कैसे अंतर लाती है। कुल मिलाकर परिणाम दर्शाते हैं कि महिला एलएफपीआर एक घंटी के आकार का वक्र बनाती है, जो 30-40 वर्ष की आयु में चरम पर होती है और उसके बाद तेजी से घट जाती है। दूसरी ओर, पुरुष एलएफपीआर 30-50 वर्ष की आयु से उच्च (100 फीसदी) रहता है, उसके बाद धीरे-धीरे घटता है। महिलाओं और पुरुषों दोनों के लिए वैवाहिक स्थिति एलएफपीआर का एक महत्वपूर्ण निर्धारक है। विवाहित पुरुष लगातार राज्यों और आयु समूहों में उच्च एलएफपीआर प्रदर्शित करते हैं, जबकि विवाह महिला एलएफपीआर महत्वपूर्ण रूप से कम होता जाता है, खासकर शहरी क्षेत्रों में। 14 वर्ष से कम आयु के बच्चों की उपस्थिति महिला एलएफपीआर को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित करती है, विशेष रूप से युवा महिलाओं (20-35 वर्ष) के लिए और शहरी क्षेत्रों में यह अधिक प्रबल रूप से प्रभावित करती है।

भारत ने 2017-18 से 2022-23 तक विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में महिला एलएफपीआर में पर्याप्त वृद्धि देखी है। पिछले दस वर्षों में सरकार की कई योजनाएं हैं, विशेष रूप से ग्रामीण महिलाओं को लक्षित करते हुए। इनमें मुद्रा ऋण, ड्रोन दीदी योजना और दीनदयाल अंत्योदय योजना के तहत जुटाए गए एसएचजी ग्रामीण महिलाओं के लिए कुछ प्रमुख पहलों के नाम हैं। ऐसी कई अन्य पहलें हैं जिन्हें पूरे भारत में महिलाओं के नेतृत्व वाले विकास के दृष्टिकोण के साथ जोड़ा गया है। हमारा शोध पत्र इन पहलों के अंतिम परिणाम को भारत भर में और विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में महिला एलएफपीआर में संचयी और महत्वपूर्ण वृद्धि की पड़ताल करता है। हालांकि, इन कार्यक्रमों के प्रभावों का मूल्यांकन करने और भारत की महिला एलएफपीआर में लगातार अंतर-राज्यीय और ग्रामीण-शहरी असमानताओं का पता लगाने के लिए गहन शोध की आवश्यकता है।

(ये लेखक के विचार हैं)

मातृभाषा से अन्य भाषा तक

भारतीयता की विशिष्ट पहचान को पुनर्जीवित करना

धर्मेन्द्र प्रधान

भारतीय भाषा उत्सव, हमारी विविध भाषाई विरासत को मनाने और 11 दिसम्बर को श्रद्धेय महाकवि सुब्रमण्यम भारती की जयंती के अवसर पर 4 से 11 दिसम्बर तक मनाया जा रहा है। एक सप्ताह का उत्सव वर्तमान में सभी राज्यों और केन्द्र शासित प्रदेशों में चल रहा है। 'भाषाओं के माध्यम से एकता' इस वर्ष के समारोह का मुख्य विषय है, जो भारत की सभ्यता की विशिष्ट पहचान है। अभी कुछ महीने पहले, 3 अक्टूबर, 2024 को, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने पाँच भाषाओं - मराठी, पाली, प्राकृत, असमिया और बांग्ला को शास्त्रीय भाषाओं का दर्जा देकर एक तरह का इतिहास रच दिया, इस प्रकार तमिल, संस्कृत, तेलुगु, कन्नड़, मलयालम और ओडिया जैसी पहले से मान्यता प्राप्त छह अन्य शास्त्रीय भाषाओं के दायरे का विस्तार किया। भारत की उत्कृष्ट भाषाई विरासत की गहन स्वीकृति के रूप में, यह घोषणा उन सभी लोगों के लिए अत्यंत गौरव की बात है जिनकी ये भाषाएं मातृभाषा है।

भारत की विविध भाषाएँ भारतीयता की अभिव्यक्ति हैं और ये हमारी भारतीय ज्ञान प्रणाली का अभिन्न अंग हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के अनुसार, सभी भारतीय भाषाएँ राष्ट्रीय भाषाएँ हैं और वे भारतीयता की आत्मा हैं और इसलिए सम्मान की पात्र हैं। भाषाई विविधता राष्ट्रीय एकता को मजबूत करती है और 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' के लक्ष्य को साकार करने में मदद करती है। इसलिए, प्रत्येक व्यक्ति को भाषाई गौरव को सम्मान की निशानी के रूप में धारण करना चाहिए। प्रधानमंत्री ने वैश्विक मंच पर भी इसका उदाहरण दिया जब उन्होंने जोर देकर कहा, मैं संयुक्त राष्ट्र में भी गर्व के साथ भारत की भाषाएँ बोलता हूँ। अगर श्रोताओं को तालियाँ बजाने में थोड़ा समय लगे, तो लगे। यह कथन भारत की भाषाई विविधता को संरक्षित करने के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को स्पष्ट करता है और भाषाई गौरव के मूल्य को उजागर करता है।

भारत एक ऐसी भूमि है जहाँ न केवल अनेक भाषाएँ हैं, बल्कि एक दूसरे का सम्मान भी करती हैं। यह एक से अधिक भाषा के उत्कृष्ट इस्तेमाल का सटीक उदाहरण है। हमारी भाषाई विविधता एक समृद्ध, जटिल ताने-बाने का निर्माण करती है, जो हमारी राष्ट्रीय पहचान को एक साथ बुनती है और साथ ही देश की एकता को विविधता के बीच पोषित करती है। औपनिवेशिक शासन के दौरान इस सांस्कृतिक शक्ति को भारी नुकसान उठाना पड़ा। 2 फरवरी 1835 को, थॉमस बैबिंगटन मैकाले ने भारत के तत्कालीन गवर्नर जनरल को एक ज्ञापन प्रस्तुत किया, जिसे मैकालेज मिनट ऑन इंडियन एजुकेशन के रूप में जाना जाता है, जिसमें देशी भाषाओं पर अंग्रेजी को प्राथमिकता दी गई थी, जिसका उद्देश्य ब्रिटिश हितों के प्रति वफादार भारतीयों का एक वर्ग बनाना था, जो पीढ़ियों को उनकी सांस्कृतिक और भाषाई जड़ों से अलग कर रहा था। तब से, उपनिवेशवाद का दीर्घकालिक प्रभाव काफी लंबे समय तक रहा, जिसने हमारे सांस्कृतिक और भाषाई गौरव को गंभीर चोट पहुंचाई है।

भारत में भाषाई जनसांख्यिकी समृद्ध और विविध है, जिसमें से अस्सी प्रतिशत आबादी खुद को गैर-अंग्रेजी, मूल भाषा बोलने वालों के रूप में पहचानती है। गहन शिक्षा के मूल में मातृभाषा है। हमारी भाषाएं केवल संचार के उपकरण नहीं हैं - वे इतिहास, परंपराओं और लोककथाओं के भंडार हैं, जो पीढ़ियों के सामूहिक ज्ञान को संरक्षित करती हैं और एक अद्वितीय विश्वदृष्टि प्रदान करती हैं। रचनात्मकता और भावनात्मक बुद्धिमत्ता से भरपूर बच्चे तब फलते-फूलते हैं जब उनकी शिक्षा उनकी मूल भाषा में शुरू होती है। अपनी मातृभाषा में एक प्राइमर घर से कक्षा तक एक निर्बाध पुल का निर्माण करता है, उन्हें 'मातृ' भाषा से 'अन्य' भाषा तक का मार्गदर्शन - बोलने से लेखन, शब्दावली से शब्दार्थ और भाषा से विषय की समझ में परिवर्तन करता है। जैसा कि रवींद्रनाथ टैगोर ने मार्मिक रूप से कहा था, एक बच्चा पाठ्यपुस्तकों से नहीं, बल्कि अपनी माँ से बोलना सीखता है। मातृभाषा में शिक्षा बुनियादी समझ से लेकर जटिल विचार तक स्वाभाविक प्रगति को बढ़ावा देती है।

भारत की भाषाई विविधता बौद्धिक और सांस्कृतिक संपदा का खजाना है। कश्मीर की बर्फ से ढकी चोटियों से लेकर कन्याकुमारी के धूप से सराबोर तटों तक और कच्छ के बंजर विस्तार से लेकर कोहिमा की हरी-भरी पहाड़ियों तक, हमारी भाषाएँ हमारे लोगों को अंदर से जोड़ती हैं। बच्चों को उनकी मातृभाषा में पढ़ाना न केवल उनकी विरासत से जुड़ाव को बनाए रखता है बल्कि उन्हें भविष्य के लिए तैयार भी करता है। मातृभाषा में एक मजबूत नींव रखकर, हम बच्चों को अधिक आसानी और समझ के साथ अन्य भाषाओं और विषयों में महारत हासिल करने के लिए सशक्त बना सकते हैं।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 ने इस दृष्टिकोण को पूरी तरह अपनाया है। अपनी भाषाई विरासत को पुन: प्राप्त करने की कोशिश करते हुए, एनईपी ने मातृभाषा को प्रारंभिक शिक्षा के केन्द्र में रखा है, यह स्वीकार करते हुए कि भाषा केवल सीखने का एक साधन नहीं है, बल्कि पहचान को आकार देने, आत्मविश्वास का निर्माण करने और संज्ञानात्मक विकास को बढ़ावा देने का एक मुख्य घटक है।

एनईपी 2020 बेहतर शिक्षण परिणामों के लिए विभिन्न भारतीय भाषाओं में उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षण और अध्ययन सामग्री तक समान पहुंच को आवश्यक बनाता है। यह शिक्षा के साथ प्रौद्योगिकी, विशेष रूप से देश की विविध भाषाई विरासत को संरक्षित करने और बढ़ावा देने के संदर्भ में, संयोजन पर विशेष जोर देता है। राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद के भाषा संगम कार्यक्रम और मशीन अनुवाद केन्द्र से लेकर अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद द्वारा कई भारतीय भाषाओं में तकनीकी पुस्तकों सहित पुस्तकों के अनुवाद ऐप आधारित अनुवाद से लेकर विश्वविद्यालय अनुदान आयोग और भारतीय भाषा समिति द्वारा अस्मिता - अनुवाद और अकादमिक लेखन के माध्यम से भारतीय भाषाओं में अध्ययन सामग्री का संवर्धन - पहल तक, शिक्षा को समावेशी बनाने के लिए भारतीय भाषाओं को बढ़ावा देने के लिए एक मजबूत इकोसिस्टम बनाने के लिए अच्छी तरह से प्रयास किए गए हैं।

इसके अलावा, 79 भारतीय भाषाओं में प्राइमर तैयार करने की सरकार की अभूतपूर्व पहल एक महत्वपूर्ण कदम है, जो यह सुनिश्चित करता है कि ग्रामीण, आदिवासी और दूरदराज के इलाकों में शुरुआती वर्षों के दौरान बच्चों को उनकी मातृभाषा में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिले। ये प्राइमर, अन्य शैक्षिक सामग्रियों के साथ, सिर्फ संसाधन से कहीं ज्यादा हैं - ये रचनात्मकता, आलोचनात्मक सोच और आजीवन सीखने के प्रवेश द्वार हैं।

भाषा हमारे विचारों को आकार देती है, हमारी भावनाओं को व्यक्त करती है और हमें हमारी सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ती है। एनईपी 2020 एक नए युग की शुरुआत है, जहाँ बच्चे अपनी मातृभाषा में सीख सकते हैं और धीरे-धीरे अन्य भाषाओं में महारत हासिल कर सकते हैं। अपनी शिक्षा प्रणाली को उपनिवेशवाद से मुक्त करके, हम विचारकों की एक ऐसी पीढ़ी का पोषण करना चाहते हैं जो न केवल अकादमिक रूप से उत्कृष्ट प्रदर्शन करे बल्कि भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को भी आगे बढ़ाए। यह परिवर्तन केवल एक नीतिगत बदलाव नहीं है - यह एक सांस्कृतिक पुनर्जागरण का प्रतिनिधित्व करता है।

जब हम भविष्य की ओर देखेंगे, शैक्षिक उत्कृष्टता और सामाजिक-सांस्कृतिक और आर्थिक उन्नति भारत की भाषाई विविधता का आधार होगी। इस अमृत काल में, जब हम विकासशील भारत के एजेंडे पर काम कर रहे हैं, हमारी मातृभाषाएँ विकास के शक्तिशाली साधन बनने के लिए तैयार हैं। आइए हम अपनी भाषाई विरासत को अपनी प्रगति का आधार बनाएँ, क्योंकि भारत वैश्विक मंच पर आगे बढ़ रहा है।

(ये लेखक के विचार हैं)

एक और अफगानिस्तान बन सकता है सीरिया

श्रुति व्यास

सीरिया किसका होगा? वहां मची अफरातफरी का फायदा कौन-कौन उठाएगा? वहां की ज़मीन पर किसकी मर्जी चलेगी? ये कुछ सवाल हैं जिनका जवाब खोजने के लिए ज्ञानीजन, गुप्तचर संस्थाएं और पूरी दुनिया वहां के घटनाक्रम पर पैनी निगाहें रखे हुए हैं। इस टूटे-बिखरे देश की कुंडली में शायद यही सब लिखा है। यह देश अब स्वयं अपने लिए एक बोझ है। लेकिन सिर्फ अपना फायदा देखने वाली ताकतों के लिए यह एक जायजाद है, अपना प्रभुत्व कायम करने की जगह है। बशर अल-असद, जो सीरिया से भागकर मास्को पहुंच गए हैं, के अचानक तख्तापलट के बाद से सीरिया में कई स्थानों पर बमबारी हुई है। जाहिर है पश्चिम एशिया की इलाकाई ताकतें सीरिया में अपने हितों की रक्षा के लिए छीना-झपटी कर रही हैं। इजराइल, तुर्की और अमेरिका ने वहां हमले किये हैं और असद के पुराने दोस्त रूस और ईरान भी सीरिया के भविष्य के निर्धारण में अपनी भूमिका चाहते हैं।

जाहिर है आने वाले समय में जो चुनौतियाँ इस देश के सामने होंगी, उनसे पार पाना आसान नहीं होगा। सीरिया पिछले कई दशकों से बर्बरता का शिकार रहा है। वहां के गृहयुद्ध में तीन लाख से ज्यादा लोग मारे जा चुके हैं। सन् 2011 से अब तक करीब एक लाख लोग या तो लापता हो गए हैं या उन्हें गायब कर दिया गया है। वे अब कहां हैं ङ्क और कहीं हैं भी कि नहीं - इसका खौफनाक हिसाब-किताब अब शुरू होने वाला है। देश की करीब आधी आबादी (1.20 करोड़ लोग) अपने घर-बार छोडने पर मजबूर कर दिए गए। दसियों हजार बिना मुकदमों के जेलों में बंद हैं। उन्हें भीषण यातनाएं दी गईं हैं। अब जेलें धीरे-धीरे खाली हो रही हैं, और गुस्से और कड़वाहट से भरे, शरीर और मन से घायल और बदले की आग में जल रहे लोगों का सैलाब पहले से ही तहस-नहस समाज में वापिस लौट रहा है। तुर्की और जोर्डन में रह रहे दसियों लाख शरणार्थी बड़ी संख्या में वापिस आ सकते हैं। यूके और अन्य यूरोपीय देशों ने भी कहा है कि असद का राज समाप्त होने के बाद वे सीरियाईयों के शरण देने के आवेदनों पर आगे की कार्यवाही नहीं कर रहे हैं। आस्ट्रिया पहले से सीरियाईयों को वापिस भेजने का सिलसिला शुरू कर चुका है। मानवीय एवं सुरक्षा आपदा देश पर मंडरा रही है।

इस बीच एचटीएस के प्रमुख अबू मोहम्मद अल-जोलानी, जिसके अलकायदा से रिश्ते रहे हैं, और जो एक इनामी आतंकवादी से एक राष्ट्र का मुक्तिदाता बन गया हैं, ने भविष्य की अपनी योजनाओं की एक झलक पेश की है। दमिश्क की प्रसिद्ध उम्मेयाद मस्जिद में एक बड़ी भीड़ को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि सीरिया कड़ी मेहनत से इस्लामिक देशों के लिए एक प्रकाश स्तंभ बनेगा। उनके ये शब्द कान खड़े करने वाले हैं!

एचटीएस द्वारा 2016 में अलकायदा से संबंध तोड़ लेने के बाद से अबू मोहम्मद अल-जोलानी के नेतृत्व में इदलिब से दमिश्क तक हमलों का सिलसिला चला और इस दौरान संगठन की छवि एक मध्यमार्गी या कम कट्टर संगठन की बनाने का प्रयास किया गया। सीएनएन के साथ एक इंटरव्यू में अल-जोलानी ने कहा कि वे सीरिया के अल्पसंख्यकों का सम्मान करेंगे और यह भी कि किसी भी समूह को किसी अन्य समूह को नष्ट करने का अधिकार नहीं है। अलेप्पो से आ रही शुरूआती खबरों के मुताबिक शहर पर एक हफ्ते पहले हुए एचटीएस के कब्जे के बाद से वहां के ईसाई अल्पसंख्यकों को किसी परेशानी का सामना नहीं करना पड़ा है। मगर सवाल यह है कि जोलानी किस तरह के इस्लामिक राष्ट्र की बात कर कर रहे हैं?

अमेरिका, रूस और संयुक्त राष्ट्रसंघ-सभी जोलानी को आतंकवादी और एचटीएस को आतंकी संगठन मानते हैं। इसलिए यदि सत्ता पर उनका कब्जा हो जाता है तो जटिल हालात बन जाएंगे। तुर्की और कतर से उनके नजदीकी रिश्तों से अरब देशों में नाराजगी है क्योंकि वे नहीं चाहते कि सीरिया में तुर्की और क़तर का प्रभाव बढ़े। कई जानकारों का मानना है कि जोलानी दूसरा असद बन सकते हैं और दूर तक सोचने वाले सीरिया के नागरिकों को भी यह चिंता है कि कहीं एक तानाशाह की जगह दूसरा तानाशाह न ले ले। बस फर्क सिर्फ इतना होगा कि नया तानाशाह इस्लामवादी होगा। कुल मिलाकर माहौल में बहुत घबराहट है।

इंटरव्यू में जोलानी के नरम रूख से ऐसा लगता है कि सीरिया में उनके नेतृत्व में बेहतरी की ओर बदलाव हो सकता है। लेकिन शक की गुंजाईश तो है। इस्लामिक देश' का नारा बुलंद करने और अलकायदा से उसके पुराने संबंधों के चलते एचटीएस तालिबान का सीरियाई संस्करण भी बन सकता है।

(ये लेखक के विचार हैं)

महक सेनीटेशन

सी पी फिटिंग व सेनेटरी की भव्य रेंज किफायती दरों में
एक बार सेवा का मौका अवश्य दें
अनिल गुप्ता मो. 9300280144
शाप नं. 102, 103, किशोर प्लाजा, ग्रीन चौक दुर्ग (छ.ग.)
अनिल गुप्ता, मो. 9300280144

Sargam Musicals
Deals in All Kinds of Musical Instrument Sales & Repair
DURG:- Near Tarun Adlabs Station Road, Durg (C.G.) Durg, Ph. 2330588, 9826660688
RAIPUR:- Near Manju Mamta Reaustaurant, M.G. Road Raipur. Ph. 4013288, 9303876196

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी
पहले बाद में
JITU'Z CUT N SHINE 93009-11331
रंगोली बैंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

विशाल ज्वेलर्स
BIS - 916 100% Hallmarked
आभूषण लेना तो हॉलमार्क लेना
नया सराफा, जवाहर चौक, दुर्ग
मो.-9827906406

कांतिलाल ज्वेलर्स
सोने, चांदी एवं गोल्ड जेवरों के निर्माता एवं विक्रेता
सदर बाजार, दुर्ग, 0788-2210274, 4038274
40 ,आकाशगंगा, सुपेला, भिलाई, फोन: 4060274
Kantilal_jewel@yahoo.com

श्रीकंचनपथ

भिलाई-दुर्ग

ITR फाईल बनवाएं मात्र 499/-

• TDS रिफंड • GST रजिस्ट्रेशन • इनकम TAX फाइल
• प्रोजेक्ट रिपोर्ट • MSME रजिस्ट्रेशन • GST रिटर्न फाइल
• CMA DATE • फूड लाइसेंस • BALANCE SHEET

हमारे TAX EXPERT आपकी मदद हेतु तैयार हैं

संपर्क : शेखर गुप्ता, मो. 93007-55544, 8878655544
D-6 सेक्टर-2, गुरुद्वारा के सामने देवेन्द्र नगर रायपुर

खास खबर

संभागायुक्त राठौर ने सभी नागरिकों से स्वेच्छा से प्रकृति परीक्षण कराने की अपील

दुर्ग। आयुष मंत्रालय भारत सरकार द्वारा 26 नवंबर से 25 दिसंबर तक देश का प्राकृतिक परीक्षण अभियान चलाया जा रहा है। जिसमें भारत के सभी वयस्क नागरिकों का प्रकृति परीक्षण आयुर्वेद चिकित्सकों द्वारा मोबाइल एप के माध्यम से किया जाना है। इसी कड़ी में आज दुर्ग संभाग के कमिश्नर श्री एसएन राठौर का प्रकृति परीक्षण जिला आयुष अधिकारी डॉ. दिनेश चंद्रवंशी के मार्गदर्शन में आयुष विंग के विशेषज्ञ चिकित्सक डॉ. जयप्रकाश चंद्राकर द्वारा किया गया। आयुर्वेद में वर्णित प्रकृति परीक्षण से व्यक्ति की शारीरिक, मानसिक संरचना और प्रकृति को समझने में मदद मिलती है। व्यक्ति की प्रकृति के अनुसार ही उसके स्वास्थ्य के लिए दिनचर्या और ऋतुचर्या निर्धारित होती है। कमिश्नर दुर्ग संभाग एस.एन. राठौर ने सभी नागरिकों से स्वेच्छा से प्रकृति परीक्षण कराने की अपील की है।

प्लेसमेंट कैम्प का आयोजन 20 को

दुर्ग। जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र दुर्ग द्वारा जिले में नियोजक द्वारा उपलब्ध रिक्त पदों को भरने के लिए प्लेसमेंट कैम्प का आयोजन 20 दिसम्बर को सुबह 10.30 बजे से जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र दुर्ग में किया जाएगा। प्लेसमेंट कैम्प में नियोजक इवेन कार्गो में 30 पदों एवं ए एस सिक्यूरिटी सर्विस में 50 पदों पर भर्ती की जाएगी। जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र दुर्ग के उप संचालक आरके कुर्रे के अनुसार इच्छुक आवेदक समस्त शैक्षणिक मूल प्रमाण एवं अंकसूची, पहचान पत्र रोजगार कार्यालय का पंजीयन पत्रक, छ.ग.निवास प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र के साथ उपस्थित हो सकते हैं।

दुर्ग ग्रामीण विधानसभा में सीसी रोड निर्माण कार्यों के लिए 79.87 लाख रूपए स्वीकृत

दुर्ग। कलेक्टर ऋचा प्रकाश चौधरी द्वारा विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र विकास योजनांतर्गत प्रदत्त अधिकारों का उपयोग करते हुए दुर्ग ग्रामीण विधानसभा के 08 कार्यो के लिए 79 लाख 87 हजार 017 रूपए स्वीकृत किया गया है। विधायक ललित चंद्राकर द्वारा अनुशंसित उक्त कार्य का संपादन क्रियान्वयन एजेंसी जनपद पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी दुर्ग द्वारा की जाएगी। जिला योजना एवं सांख्यिकी कार्यालय से प्राप्त जानकारी अनुसार ग्राम पंचायत करगाडीह में सीसी रोड निर्माण भान बघेल घर से सुखचंद यादव घर तक के लिए 7 लाख 39 हजार 546 रूपए, ग्राम पंचायत कोकड़ी में विभिन्न गली में सीसी रोड निर्माण कार्य के लिए 7 लाख 99 हजार 510 रूपए, ग्राम पंचायत कोटनी में सीसी रोड निर्माण कार्य भगवान दास घर से शीतला मंदिर तक के लिए 4 लाख 30 हजार रूपए, ग्राम पंचायत कोटनी में सीसी रोड निर्माण कार्य राजेन्द्र निषाद घर से पीलू निषाद घर तक के लिए 3 लाख रूपए की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है।

मैत्री बाग चिड़ियाघर में बनाया जा रहा 200 किलोवाट क्षमता वाले राज्य का पहला एलिवेटेड सौर ऊर्जा संयंत्र

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के ग्रिड से जुड़े सौर ऊर्जा संयंत्र की आपूर्ति के लिए, बीएसपी एवं क्रेडा के संयुक्त तत्वाधान में 200 किलोवाट क्षमता का राज्य का पहला एलिवेटेड सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित किया जा रहा है, जिसकी स्थापना एवं कमीशनिंग का कार्य पूर्व ही प्रारंभ किया जा चुका है। इस सौर ऊर्जा संयंत्र को एलिवेटेड मॉडल के रूप में स्थापित करने का यह उद्देश्य है कि इसके नीचे की जमीन का उपयोग जानवरों के लिए चारा उत्पादन में किया जा सके। परियोजना से प्राप्त बिजली का उपयोग मैत्री बाग एवं निकटवर्ती जवाहर उद्यान में किया जाएगा।

यह सौर संयंत्र, सौर ऊर्जा संयंत्रों की स्थापना के लिए उपयोग की जाने वाली सबसे ऊंची संरचनाओं में से एक है, इसकी सामने की ऊंचाई 3.5 मीटर है जो जमीन से 5.5 मीटर की ऊंचाई तक पीछे की ओर बढ़ने पर क्रमश: बढ़ती जाती है। इस ऊँचाई को प्राप्त करने एवं पूरे ढांचे की स्थिरता बनाए रखने के लिए इसे इस तरह से डिजाइन किया गया है जिसका

वजन लगभग 30 टन है जो कि पुन: 200 किलोवाट सौर ऊर्जा संयंत्र की स्थापना हेतु उपयोग की जाने वाली सबसे भारी सौर संरचनाओं में से एक है।

मैत्री बाग में किया गया था भूमिपूजन

ज्ञात हो कि सेल- भिलाई इस्पात संयंत्र के कार्यपालक निदेशक (मानव संसाधन) पवन कुमार ने 30 जुलाई 2024 को मैत्री बाग इस सौर ऊर्जा संयंत्र की स्थापना के लिए भूमिपूजन किया था। इस परियोजना को जनवरी माह तक पूर्ण करने का लक्ष्य रखा गया है। यह परियोजना हरित ऊर्जा उत्पादन को बढ़ावा देता है। विदित हो कि हरित ऊर्जा, नवीकरणीय स्रोतों से प्राप्त होने वाली ऊर्जा के लिए एक शब्द है। हरित ऊर्जा को अक्सर स्वच्छ, टिकाऊ या नवीकरणीय ऊर्जा के रूप में संदर्भित किया जाता है। हरित ऊर्जा के उत्पादन से वायुमंडल में जहरीली ग्रीनहाउस गैसें नहीं निकलती हैं, जिसका अर्थ है कि इससे पर्यावरण पर बहुत कम या कोई प्रभाव नहीं पड़ता है।

नवीनतम मोनोक्रिस्टलाइन बाइफेसियल सोलर मॉड्यूल का उपयोग

यह सौर ऊर्जा संयंत्र मेक आइकॉन सोलर-ईएन के नवीनतम मोनोक्रिस्टलाइन बाइफेसियल सोलर मॉड्यूल का उपयोग करके स्थापित किया जा रहा है, जो उच्च दक्षता होने के साथ-साथ सौर उत्पादन में भी वृद्धि करता है एवं अन्य मॉड्यूल की तुलना में कम क्षेत्र का उपयोग करता है। यह सौर ऊर्जा संयंत्र 30 ग 40 मीटर के क्षेत्र में स्थापित किया जाएगा, जो लगभग 1200 वर्ग मीटर होगा। यह प्रतिमाह 24000 यूनिट बिजली एवं न्यूनतम 2,88,000 यूनिट बिजली का उत्पादन प्रतिवर्ष करेगा। इस सौर ऊर्जा संयंत्र की स्थापना के बाद मैत्री बाग को प्रति माह 2,00,000 रुपये की आर्थिक बचत होगी। इसके साथ ही यह सौर ऊर्जा संयंत्र प्रतिदिन 250 किलोग्राम कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन को बचाएगा। विदित हो कि परियोजना के समझौते के अनुसार सौर ऊर्जा संयंत्र के निर्माण पश्चात 5 वर्ष तक इसके अनुरक्षण का कार्य भी क्रेडा द्वारा ही संचालित किया जाएगा।

नगर निगम द्वारा गंदगी फैलाने वालों पर कसा शिकंजा

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। स्वच्छता सर्वेक्षण को ध्यान में रखते हुए निगम कमिश्नर सुमित अग्रवाल द्वारा वार्ड क्रमांक 8 तकिया पारा में निरीक्षण के दौरान चाय दुकानदार द्वारा नाली व सड़क पर गंदगी फैलाने के कारण 500-500 जुर्माने की कार्रवाही की गई।

साथ ही वार्ड क्रमांक 7 लुचकी तालाब किनारे कचरा फैलाने पर उन पर भी जुर्माना की कार्रवाही की गई।कार्रवाही के मौके पर स्वास्थ्य अधिकारी धर्मेंद्र मिश्रा, सफाई दरोगा सुरेश भारती, परम सहित टीम मौजूद थे।शहर के अलग-अलग क्षेत्रों में सफाई व्यवस्था को लेकर अभियान चला रहा

है। शुक्रवार को निगम अमले ने शहर के विभिन्न स्थानों पर कार्रवाई करते हुए गंदगी फैलाने वाले 04 दुकानदारों का चालान काटकर जुर्माना लगाया।कमिश्नर सुमित अग्रवाल के निर्देश पर स्वास्थ्य विभाग की टीम ने शहर के वार्ड क्रमांक 7 व 8 सहित अन्य क्षेत्रों में भ्रमण कर सफाई व्यवस्था का जायजा लिया। गंदगी फैलाने वाले पांच दुकानदारों पर जुर्माना लगाया। इस दौरान दुकानदारों को नियमित रूप से साफ-सफाई रखने और गीला-सूखा कचरा अलग-अलग डालने समझाइश डी गई।

स्वास्थ्य अधिकारी धर्मेंद्र मिश्रा ने बताया कि गंदगी फैलाने पर शहर में मार्केट क्षेत्र सहित विभिन्न स्थानों पर लगातार चालान की कार्रवाई शुरू की गई है।विभाग को निर्देशित किया गया कि गंदगी फैलाने वालों के अलावा सड़क पर निर्माण सामग्री रखने वालों पर भी जुर्माना लगाने की कार्रवाई की जाए।गौरतलब है कि सफाई को लेकर दुर्ग निगम कमिश्नर सुमित अग्रवाल द्वारा मार्निंग विजिट के दौरान शहर के अलग-अलग वार्डों का निरीक्षण कर सफाई संबंध में निर्देश दिया जा रहा है।

नालियों में गोबर बहाया तो डेयरी संचालकों से निगम वसूलेगा जुर्माना

दुर्ग। नगर निगम सीमा क्षेत्र अंतर्गत कमिश्नर सुमित अग्रवाल के निर्देश पर अभियान शुरू किया जाएगा।संचालित डेयरी व पशुपालकों की बैठक आयोजित की गई।बैठक में डेयरी व्यवसाय संचालित ओर पशुपालन के संबंध में व्यापक रूप से चर्चा की गई।बैठक में भवन अधिकारी गिरीश दीवान,स्वास्थ्य अधिकारी धर्मेंद्र मिश्रा,अतिक्रमण अधिकारी दुर्गेश गुप्ता, बाजार अधिकारी थानसिंह यादव,सहाश्र राजस्व निरीक्षक शशिकांत यादव मौजूद रहें। निगम ने बड़ा फैसला लेते हुए निर्देश जारी किए एवं कहा कि नालियों में गोबर बहाया तो डेयरी संचालकों से जुर्माना वसूला जाएगा।बैठक में अधिकारियों ने निर्देश देते हुए कहा कि पशुपालन पालको एवं डेयरी संचालकों को आवश्यक सुझाव दिया गया। जिसके अंतर्गत पशुओं को खुले में छोड़ने से होने वाली गंम्भीर दुर्घटना के सबन्ध एवं अन्य बातों को ध्यान में रखने की हिदायत दी गई। पशुपालक पशुओं को खुले में न छोड़े, खुले में छोड़ने से दुर्घटना में पशु व वाहन चालकों को दुर्घटना का शिकार होना पड़ता है।इसके कारण सड़क,बाजार व सार्वजनिक स्थलों में आवागमन बाधित भी होता है।

पर्यावरण जागरूकता माह के तहत एमआरडी विभाग में पर्यावरण क्विज का आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र द्वारा पर्यावरण जागरूकता माह के तहत पर्यावरण जागरूकता को प्रोत्साहित करने के लिए विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में मटेरियल रिकवरी डिपार्टमेंट (एमआरडी) में विशेष पर्यावरण क्विज का आयोजन किया गया। यह क्विज मुख्यत: पर्यावरणीय चेतना, इस्पात संयंत्र में कार्बन उत्सर्जन प्रबंधन तथा कार्बन फुटप्रिंट में कमी लाने के उपायों से जुड़े प्रश्नों पर केन्द्रित थी।

इस आयोजन का उद्देश्य कार्मिकों में पर्यावरणीय जानकारी बढ़ाना, पर्यावरणीय चुनौतियों के प्रति संवेदनशील बनाना एवं इस्पात उत्पादन प्रक्रिया में होने वाले उत्सर्जन को नियंत्रित करने के प्रति जागरूक करना था। इसके साथ ही एमआरडी विभाग द्वारा भिलाई इस्पात संयंत्र के मक डंप क्षेत्र में वृक्षारोपण अभियान चलाया गया। इस हरित पहल में फेरो स्क्रैप निगम लिमिटेड (एफएसएनएल) ने भी अपना सहयोग प्रदान किया। एफएसएनएल भिलाई यूनिट के प्रमुख श्री सुबिकाश बिस्वास ने पौधरोपण के लिए उपयुक्त स्थान एवं पौधों की उपलब्धता सुनिश्चित कराई।

वृक्षारोपण कार्यक्रम मुख्य महाप्रबंधक (एमआरडी) सुशील कुमार के नेतृत्व में चलाया गया। महाप्रबंधक (एमआरडी) अलोक माथुर एवं उप महाप्रबंधक (एमआरडी) रेजी उन्नूनी सहित एमआरडी एवं एफएसएनएल के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने भी वृक्षारोपण कार्यक्रम में हिस्सा लिया।

क्विज का संचालन सहायक प्रबंधक (एमआरडी) कुलदीप सिंह तोमर एवं सहायक महाप्रबंधक अवनीश दुबे (एमआरडी) द्वारा किया गया। पर्यावरण जागरूकता माह के तहत आयोजित इन कार्यक्रमों के माध्यम से भिलाई इस्पात संयंत्र के कर्मचारियों को पर्यावरण संरक्षण, कार्बन उत्सर्जन में कमी, तथा सतत विकास के मार्ग पर आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया गया। इस पहल ने संगठन की हरित प्रतिबद्धता को और मजबूती प्रदान करते हुए सभी प्रतिभागियों के बीच पर्यावरणीय जागरूकता के नए मापदंड स्थापित किए हैं।

इस्पात गलन शाला 3 विभाग में सुरक्षा सप्ताह के अंतर्गत प्रदर्शनी आयोजित

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के इस्पात गलन शाला 3 (एसएमएस 3) में 13 दिसंबर 2024 को सुरक्षा सप्ताह के अंतर्गत सुरक्षा स्टॉल एवं 'बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट' प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में कार्यपालक निदेशक (ऑपरेशन) राकेश कुमार तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में मुख्य महाप्रबंधक देबदत्त सत्पथी उपस्थित थे।

कार्यपालक निदेशक राकेश कुमार ने प्रदर्शनी में विभिन्न सुरक्षा उपकरणों का अवलोकन किया तथा कर्मचारियों एवं एसोसिएट्स

द्वारा लगाए गए स्टॉल्स का उद्घाटन किया। कार्यपालक निदेशक (ऑपरेशन) श्री राकेश कुमार ने अपने संबोधन में सुरक्षा की महत्ता पर बल देते हुए सुरक्षा सप्ताह में किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। इस दौरान उन्होंने स्टॉल व 'बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट' प्रतियोगिताओं के विजेताओं एवं निर्णायकों को पुरस्कृत कर समानित किया।

विभागाध्यक्ष एवं मुख्य महाप्रबंधक प्रमोद कुमार ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की करते हुए अतिथियों का स्वागत किया एवं उन्हें एसएमएस-3 की टीम से परिचय कराया।

इस अवसर पर आयोजित 'बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट' प्रतियोगिता के तहत प्रतिभागियों ने अपशिष्ट सामग्री से विभिन्न उपयोगी व सजावटी सामान बनाकर प्रदर्शित किया। कार्यक्रम का संचालन इस्पात गलन शाला 3 से श्रीमती अर्चना अतिका सिंह द्वारा किया गया एवं विभागीय सुरक्षा अधिकारी (इस्पात गलन शाला 3) श्रीमती पुष्पा एम्ब्रोस ने कार्यक्रम का संयोजन किया।

मेंटेनेंस के लिए टाउनशिप में विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी

भिलाई। बीएसपी के नगर सेवाएँ विभाग के अन्तर्गत टाउन इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग द्वारा वार्षिक रखरखाव योजना 2024-2025 के तहत टाउनषिप में विद्युतीय मेंटेनेंस एवं अनुरक्षण कार्य संपादित किये जा रहे हैं। ब्रेकडाउन को कम करने और सिस्टम की दक्षता बढ़ाने के लिए विद्युत सिस्टम के यथोचित रखरखाव पर विशेष जोर दिया जा रहा है। नवम्बर 2024 से मार्च 2025 के दौरान एचटी सिस्टम के निवारक रखरखाव के लिए टाउनषिप के विभिन्न स्थानों में योजनाबद्ध शटडाउन किया जाएगा। इस वार्षिक रखरखाव योजना के अंतर्गत सबस्टेशन, टैपिंग, ट्रांसफार्मर का मेंटेनेंस आदि कार्य किये जायेंगे।

खास खबर...

सिविल जज भर्ती परीक्षा के परिणाम जारी, रायपुर की श्वेता दीवान टापर

रायपुर। छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग (सीजीपीएससी) की ओर से बुधवार को सिविल जज भर्ती परीक्षा के परिणाम जारी ङ्क कर दिए गए हैं। श्वेता दीवान ने टाप किया है। टाप-10 में सात महिला अभ्यर्थी चयनित हुई है। महिमा शर्मा, निखिल साहू, प्रियादर्शन गोस्वामी, आयुषी शुक्ला, भामिनी मराठी, नंदिनी पटेल, आरती ध्रुव, ने अदिति शर्मा, द्रयु सिंह सेंगर क्रमश:टाप-10 में चयनित हुए हैं।

49 पदों के लिए भर्ती निकली थी। साक्षात्कार के लिए 151 अभ्यर्थियों का चयन किया गया था। दो दिसंबर से साक्षात्कार चल रहे हैं। एक अभ्यर्थी साक्षात्कार में अनुपस्थित रहा। श्वेता दीवान ने बताया कि उन्हें दूसरे प्रयास में सफ्लता मिली है. पिता सतीश कुमार तिवारी और मा करुणा तिवारी गृहणी है। पति सुयश धर दीवान वन विभाग में एसडीओ है और वर्तमान पंडरिया में पदस्थ है।

शिक्षित बेरोजगारों के लिए राजधानी में जॉब फेयर 16 को

रायपुर। जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र द्वारा स्थानीय शिक्षित बेरोजगार युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 16 दिसम्बर को रोजगार कार्यालय, पुराना पुलिस मुख्यालय परिसर में सुबह 11 से दोपहर 3 बजे तक जॉब फेयर का आयोजन किया जा रहा है। इस जॉब फेयर के माध्यम से निजी क्षेत्र के नियोजक एस.आर. हास्पिटल-चिखली (दुर्ग) में मेडिकल ऑफिसर, डेन्टिस्ट, फिजियोथेरेपी, ओटी टेक्नीशियन, एक्सरे टेक्नीशियन, पैथेलॉजी लैब, नर्सिंग स्टॉफ डायलिसिस टेक्नीशियन, फिल्ड ऑफिसर, इलेक्ट्रीशियन ड्राइवर, कार्पोरेट मानियो, टीपीए मैनेजर, अकाउंटेंट, फार्मासिस्ट, कम्प्यूटर ऑपरेटर, पलंबर, जीएम मार्केटिंग, नर्सिंग, मल्टीवर्कर गार्ड के लिए भर्ती होगी।

इसी प्रकार रूद्रा इंटरप्राईजेस में मीटर टेक्नीशियन, मोबाईल ऑपरेटर, फिल्ड सर्वेयर, कम्प्यूटर ऑपरेटर, टेलीकॉलर, बसंत मोटर्स में सर्विस कंसल्टेंट, पार्ट मैनेजर, टेलीकॉलर, टेक्नीशियन, हेल्पर टेक्नीशियन, सेल्स एग्जीक्यूटिव और जी.एस. ऑटोमोबाईल में सेल्स एग्जीक्यूटिव, सीनियर एडवाइजर, टेलीकॉलर, टेक्नीशियन, हेल्पर के लिए न्यूनतम 10वीं, 12वीं, स्नातक, स्नातकोत्तर, डी.सी.ए. तथा हास्पिटल सेक्टर के लिए एम.बी.बी.एस. बी.ए.एम.एस, बी.डी.एस, फार्मासिस्ट, एक्स-रे टेक्निशियन, लैब टैक्निशियन, नर्सिंग, डायलासिस टेक्निशियन, आई.टी.आई. (इलेक्ट्रिकल), वाहन चालक, एम.बी.ए., पी.जी.डी.सी.ए., उत्तीर्ण आदि के कुल 317 से अधिक पदों पर 10 से 50 हजार रूपये प्रतिमाह वेतन पर भर्ती होगी। इस जॉब फेयर में सम्मिलित होने योग्य एवं इच्छुक तथा अनुभवी आवेदक निर्धारित तिथि एवं स्थल पर अपने बॉयोडाटा/आधार कार्ड एवं शेक्षणिक, तकनीकी योग्यता तथा अनुभव आदि के प्रमाण पत्रों की छायाप्रति के साथ उपस्थित हो सकते हैं। साथ ही अधिक जानकारी के लिए आवेदक जिला रोजगार कार्यालय रायपुर में भी संपर्क कर सकते है।

छत्तीसगढ़ में एसआई भर्ती के लिए ऑनलाइन आवेदन शुरू

रायपुर। छत्तीसगढ़ पुलिस में एसआई, प्लाटून कमांडर की 341 पदों पर भर्ती होगी. यह पहली बार है जब एसआई की भर्ती सीजीपीएससी के माध्यम हो रही है। इसके लिए ऑनलाइन आवेदन 23 अक्टूबर से 21 नवंबर 2024 तक आवेदन मंगाए गए थे। कैबिनेट में फैसले के बाद अब ऊंचाई व सीने के माप को लेकर एसटी उम्मीदवारों को छूट दी गई है। इसके अनुसार फिर से आवेदन का अवसर दिया गया है। इसकी प्रक्रिया शुरू हो गई है। 25 दिसंबर तक आवेदन किए जा सकते हैं। सभी वर्ग के युवा जो पहले आवेदन नहीं कर पाएं हैं वे भी फॉर्म भर सकते हैं। इसी तरह जो आवेदन कर चुके हैं, उन्हें दोबारा फॉर्म भरने की जरूरत नहीं है।

छत्तीसगढ़ पुलिस में कुल 341 पदों पर भर्ती होगी। इसमें सबसे अधिक 278 पद एसआई के हैं। इसके अलावा 19 सूबेदार, 11 उप निरीक्षक (विशेष शाखा), 14 प्लाटून कमांडर, 4 उप निरीक्षक (अंगुल-चिन्ह), 1 उप निरीक्षक (प्रश्नाधीन दस्तावेज), 5 उप निरीक्षक (कंप्यूटर) और 9 उप निरीक्षक (साइबर क्राइम) के पद शामिल है।

गणतंत्र दिवस समारोह की गरिमापूर्ण मनाने प्रारंभिक तैयारियां हुई शुरू

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। गणतंत्र दिवस 26 जनवरी 2025 गरिमापूर्ण मनाने और इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम की पूर्व तैयारियों के लिए आज यहां मंत्रालय महानदी भवन में अपर मुख्य सचिव श्रीमती रेणु जी पिल्ले ने राज्य शासन के विभिन्न विभागों के उच्च स्तरीय अधिकारियों की बैठक ली। अपर मुख्य सचिव ने गणतंत्र दिवस 26 जनवरी के आयोजन के संबंध में तमाम व्यवस्था और तैयारियों के लिए अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए हैं। श्रीमती पिल्ले ने कार्यक्रम स्थल पर प्रदर्शित की जाने वाली झांकियां तथा उसकी थीम का निर्धारण एक सप्ताह के भीतर करने के निर्देश दिए हैं।

बैठक में राजधानी में आयोजित कार्यक्रम के आयोजन स्थल एवं समय का निर्धारण, समारोह के पल-प्रति कार्यक्रम का निर्धारण, आमंत्रण पत्र के प्रारूप का अनुमोदन, मुद्रण एवं उसका वितरण, मंच, पंडाल व्यवस्था, बैठक व्यवस्था निर्धारण, माननीय राज्यपाल तथा माननीय मुख्यमंत्री जी द्वारा दिए जाने वाला उद्बोधन/संदेश को तैयार करना, संबंधी निर्देश दिए गए। अपर मुख्य सचिव ने कहा कि समारोह स्थल पर परेड कार्यक्रम, भाग लेने वाली टुकडियों का निर्धारण एवं रिहर्सल, स्कूली बच्चों के कार्यक्रम, अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं कार्यक्रम में भाग लेने वाले बच्चों तथा उत्कृष्ठ झांकी को पुरस्कार वितरण, के साथ ही कार्यक्रम के उद्घोषक का निर्धारण, किया जाना सुनिश्चित करें।

इसी प्रकार पार्किंग एवं ट्रेफिक व्यवस्था, कार्यक्रम स्थल पर विभागों द्वारा प्रदर्शित की जाने वाली झांकियों के लिए नोडल अधिकारी की नियुक्ति, कार्यक्रम के रिहर्सल की तिथि, प्रतिभागियों, स्कूली बच्चों के लिए स्वल्पाहार/पीने के पानी की व्यवस्था, कार्यक्रम स्थल, साफ-सफाई, अस्थाई शौचालय इत्यादि की व्यवस्था, संध्याकालीन कार्यक्रम की रूपरेखा, स्थान एवं समय का निर्धारण, जिला एवं तहसील स्तर पर आयोजित किए जाने वाली कार्यक्रमों का निर्धारण करना सुनिश्चित करें। जिला मुख्यालयों पर माननीय मुख्यमंत्री, मंत्रीगण, विधान सभा अध्यक्ष एवं अन्य माननीय मुख्य अतिथियों द्वारा ध्वजारोहण के लिए जिलों का निर्धारण, स्कूली बच्चों द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले कार्यक्रमों का निर्धारण, शासकीय भवनों पर प्रकाश व्यवस्था सहित अन्य व्यवस्थाओं के लिए अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए।

संघर्षपूर्ण मैच में सिमरन रायल किंग्स नागपुर ने तीन रन से हासिल की जीत

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। अब तक टूर्नामेंट में अच्छा प्रदर्शन कर रही जीजीएसएससी लुधियाना की टीम गुरुवार को एक संघर्षपूर्ण मैच में सिमरन रायल किंग्स नागपुर से 3 रन से हार गई। सिमरन रायल किंग्स के मानवीर सैनी मैन ऑफ द मैच चुने गए। वहीं दूसरे मैच में देहली खालसा वारियर्स ने जीकेएस रायपुर को 63 रन से पराजित किया।

पहले बैटिंग करते हुए सिमरन रायल किंग्स ने 20 ओवर में 7 विकेट खोकर 136 रन का स्कोर किया। जिसमें भावेजा जगदीप की शानदार 54 रन (55 गेंद) की अर्धशतकीय पारी रही। मानवीर सैनी व कैफी ने 18-18 रनों का योगदान दिया। इस पारी की खास बात ये भी रही कि 23 रन अतिरिक्त से बने हैं। यही अतिरिक्त रन लुधियाना की टीम को भारी पड़ गए। लुधियाना की ओर से विक्रम अलख व परमिंदर ने 2-2 विकेट लिए। जीजीएसएससी लुधियाना की शुरुआत आज खराब रही,जब शुरु के तीन बल्लेबाज केवल आठ रनों का योगदान देकर पैवेलियन लौट गए। तब एक छोर पर परमिंदर ने टिककर बल्लेबाजी की और शानदार 67 रन (36 गेंद) बनाए जिसमें 7 चौके व 5 छक्के शामिल थे। इसके बाद दूसरे टाप स्कोरर रहे गुरप्रीत सिंग जिन्होने 24 रन की नाट आउट पारी खेली। नागपुर की ओर से आगम सिंग व मानवीर ने 2-2 विकेट लिए। सिमरन रायल किंग्स नागपुर के मानवीर सैनी को 18 रन बनाने व 2 विकेट लेने पर मैन ऑफ द मैच चुना गया। इस मैच के अतिथि रहे पार्षद सतनाम पनाग व सोनू सलूजा।

दूसरे मैच में देहली खालसा वारियर्स ने जीकेएस रायपुर को 63 रन से पराजित किया। देहली खालसा वारियर्स के दलजीत सिंग को 40 रन बनाने व 2 विकेट लेने पर प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। पहले खेलते हुए देहली खालसा वारियर्स ने 20 ओवर में 6 विकेट खोकर 180 रन बनाये। ओपनर गोल्डी 0 पर आउट हो गए लेकिन टाइगर ने 23 रन की रक्षात्मक पारी खेली। मध्यमक्रम के बल्लेबाज दलजीत सिंग ने 40 रन (24 गेंद) की अच्छी पारी खेलते हुए 5 चौके व 1 छक्के जड़े। अंतिम छोर के बल्लेबाज इंद्रप्रीत ने भी 24 रन का स्कोर किया। जीकेएस की ओर से अर्जुन सिंग व भूपिंदर सिंग ने 2-2 विकेट लिए। जीकेएस रायपुर की टीम 16.1 ओवर में 117 रन बनाकर सिमट गई। इसमें पवन सिंग ने 29 रन, हरजीत सिंग ने 39 रन का सर्वाधिक योगदान दिया। देहली खालसा वारियर्स के गेंदबाजों में इंद्रप्रीत सिंग, मनिंदर, दलजीत व प्रभजोत को 2-2 विकेट लिए। इस मैच के अतिथि रहे सरदार दिलेस सिंग रंधावा, गगनदीप सिंग, मोनू ढिल्लन, गुरमीत सिंग जितेंदर पाल सिंग लाडी।

आज भीमसेन भवन में अग्रवाल समाज मनाएगा महालक्ष्मी वरदान दिवस

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ प्रांतीय युवा अग्रवाल मंच के संरक्षक कन्हैया अग्रवाल ने बताया कि शनिवार, 14 दिसंबर को शाम 6 बजे श्री रामनाथ भीमसेन सभा भवन में महालक्ष्मी वरदान दिवस के अवसर पर कुलदेवी महालक्ष्मी एवं भगवान अग्रसेन की पूजा आरती के साथ प्रसाद रखी गई है ।

महामंत्री नितेश अग्रवाल ने बताया कि अगहन मास की पूर्णिमा के दिन ही अग्रसेन जी की लंबी तपस्या के पश्चात मां लक्ष्मी ने दर्शन देकर वरदान दिया था की मैं तुम्हारे कुल में हमेशा वास करूंगी। इसीलिए अगहन मास की पूर्णिमा के दिन को अग्रवाल समाज पूरे देश में महालक्ष्मी वरदान दिवस के रूप में मनाता है। मां लक्ष्मी की कृपा से अग्रवाल समाज के परिवार में समृद्धि के साथ सुख शांति है। समाज बंधु साथ मिलकर मां लक्ष्मी की पूजा आरती पूरे उल्लास और भक्ति के साथ करेंगे। छत्तीसगढ़ प्रांतीय युवा अग्रवाल मंच ने समाज बंधुओ से सपरिवार महालक्ष्मी वरदान दिवस में शामिल होकर पूजा अर्चना करने हैं के साथ प्रसादी लेने की अपील की है।

जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर 28 को ग्राम सिंगपुर में

धमतरी-रायपुर। राज्य शासन द्वारा दिए गए निर्देशानुसार आमजनों के मांग, समस्या और शिकायतों के निराकरण तथा शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देने के लिए जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में आगामी 28 दिसम्बर को साल का आखिरी जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर का आयोजन मगरलोड विकासखण्ड के ग्राम सिंगपुर में किया जाएगा। कलेक्टर सुश्री नम्रता गांधी द्वारा जिला स्तरीय अधिकारियों को उक्त शिविर में अनिवार्य रूप से उपस्थित रहकर विभागीय योजनाओं की जानकारी देने के साथ ही लोगों की मांग, समस्या और शिकायतों का निराकरण करने के निर्देश दिए गए हैं।

मनाया गया वार्षिक उत्सव

रायपुर। लक्ष्मीनारायण कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय का वार्षिक उत्सव रंगमन्दिर प्रेक्षागृह गांधी चौक में आयोजित हुआ। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में डॉक्टर वर्षा वरवंडकर चीफ कॅरियर काउन्सलर माय अगला कदम डॉट कॉम उपस्थित हुई। अध्यक्षता भातखण्डे ललितकला शिक्षा समिति के अध्यक्ष तरल मोदी तथा अजय तिवारी ने किया। शाला का प्रतिवेदन प्राचार्या श्रीमती मनीषा गहोई ने प्रस्तुत किया। स्वागत भाषण सचिव श्रीमती शोभा खंडेलवाल दिया एवं कार्यक्रम का संचालन व्याख्याता श्रीमती संध्या दुबे ने किया।

कॉलेज छात्रों ने किया शैक्षणिक भ्रमण

श्रीकंचनपथ न्यूज

अंडा। स्व. पुकेश्वर सिंह भारदीय शासकीय महाविद्यालय निकुम के वनस्पति शास्त्र एवं रसायन शास्त्र विभाग के द्वारा सेंट थॉमस कॉलेज रूआबांधा, भिलाई के शैक्षणिक भ्रमण का आयोजन किया गया। जिसके अंतर्गत बीएससी द्वितीय वर्ष एवं अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों को रसायन शास्त्र, वनस्पति शास्त्र एवं बायोटेक्नोलॉजी विभाग के प्रयोगशालाओं का अवलोकन एवं भ्रमण कराया गया।

वनस्पति शास्त्र विभागाध्यक्ष डॉ. ज्योति बख्शी ने छात्र-छात्राओं एवं एस्कॉर्ट प्रोफेसर का स्वागत करते हुए वनस्पति शास्त्र विभाग की जानकारी दी। रसायन शास्त्र विभागा ध्यक्ष डॉ. जेम्स मैथ्यू डॉ. चंदा वर्मा,डॉ. अरविंद ने रसायन शास्त्र प्रयोगशाला का भ्रमण कराते हुए, उपलब्ध विभिन्न उपकरणों की संरचना कार्य प्रणाली का पीपीटी प्रेजेंटेशन के माध्यम से विस्तार से वर्णन किया , उपकरणों को उपयोग करनें की जानकारी प्रदान की।

वनस्पति शास्त्र विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ. सुरुचि पारके, देवनारायण पटेल ने पीपीटी प्रेजेंटेशन के माध्यम से वनस्पति शास्त्र प्रयोगशाला में उपलब्ध सभी उपकरणों की संरचना एवं सिद्धांत उपयोगिता को विस्तार से समझाते हुए, उपकरणों की कार्य प्रणाली को भी विस्तार से समझाया। अगले क्रम में बायोटेक्नोलॉजी प्रयोगशाला के भ्रमण के दौरान विभागाध्यक्ष डॉ. उज्जवला सुपे ने प्लांट टिश्यू कल्चर के मूलभूत सिद्धांत को समझाते हुए महाविद्यालय की रिसर्च लैबोरेट्री में किए जा रहे अनुसंधान कार्यों से भी छात्र-छात्राओं को अवगत कराया। साथ ही उपकरणों की विस्तार से जानकारी प्रदान की।

सेंट थॉमस कॉलेज के प्राचार्य डॉ एम जी रॉयमोन ने छात्र-छात्राओं को शुभकामनाएं देते हुए आने वाले समय में भी छात्रहित हेतु संसाधनों की साझेदारी की प्रतिबद्धता प्रकट की।सभी प्राध्यापको ने छात्र-छात्राओं को वार्षिक परीक्षा की तैयारी एवं विषय को रुचिकर बनाए रखने हेतु सुझाव भी दिए गए। इस भ्रमण का आयोजन अन्नपूर्णा यादव असिस्टेंट प्रोफेसर वनस्पति शास्त्र एवं डॉ. शिप्पी देवांगन असिस्टेंट प्रोफेसर रसायन शास्त्र के मार्गदर्शन में किया गया। दोनों ने महाविद्यालय के प्राचार्य एवं समस्त विभागाध्यक्ष , प्राध्यापकगण को इस भ्रमण की अनुमति एवं सहयोग प्रदान करने हेतु आभार प्रकट किया।

अगले चरण में शासकीय उद्यानिकी रूआबांधा का भी भ्रमण किया गया। जिसमें वरिष्ठ उद्यानिकी अधिकारी मुकेश वासनिक जी ने नर्सरी में उपलब्ध विभिन्न प्रजाति के पौधों की जानकारी प्रदान करते हुए, नए पौधे तैयार करने की विधि के बारे में छात्रों को अवगत कराया एवं वर्तमान समय में उद्यानिकी विषय की उपयोगिता पर भी चर्चा की।यह भ्रमण ग्रामीण छात्रों के न केवल अकादमिक विकास में अपितु उनके व्यक्तित्व विकास में भी उपयोगी साबित हुआ। भ्रमण से कुल 47 छात्र लाभान्वित हुए।

चार जनवरी को सेलूद के 24 कुंडीय महायज्ञ में शामिल होंगी मंत्री राजवाड़े

श्रीकंचनपथ न्यूज

सेलूद । ग्राम सेलूद में आयोजित 24 कुंडीय गायत्री महायज्ञ, विराट महिला सम्मेलन और श्रीमद प्रज्ञा महापुराण कथा 2 जनवरी 2025 से 5 जनवरी 2025 तक के आयोजन के तृतीय दिवस 4 जनवरी को केबिनेट मंत्री श्रीमति लक्ष्मी राजवाड़े महिला बाल विकास विभाग शामिल होंगे। अतिथि ने महायज्ञ में आने की स्वीकृति प्रदान किया है।

ग्राम सेलूद में सनातन पर्व के अवसर पर भव्य महायज्ञ का आयोजन होने जा रहा है। जिसकी व्यापक तैयारी चल रही है। सेलूद ग्राम में पहली बार 24 कुण्डीय महायज्ञ होने जा रहा है जिसमे शामिल होने के लिए पूरे क्षेत्र की जनता के साथ साथ राजनेताओ का भी आगमन होने जा रहा है। प्रतिदिन अलग-अलग धार्मिक मूर्धन्य के साथ साथ दोनो ही पार्टी के वरिष्ठ नेता गन पहुंचने वाले है। तृतीय दिवस के दिन महायज्ञ के साथ साथ विराट महिला सम्मेलन का कार्यक्रम होगा। श्रीमति राजवाड़े जी को आमंत्रित करने के लिए पूर्व केबिनेट मंत्री श्रीमति रमशीला साहू, पूर्व विधायक डॉ दयाराम साहू, समन्वयक अशोक सिंग, सह संयोजक संजय यदु, अजय सिंग ठाकुर, खेमलाल साहू उपस्थित रहे।

बच्चे ही नहीं बड़ों की जिंदगी भी तबाह कर सकते हैं मार्केट में मिलने वाले एनर्जी ड्रिंक्स

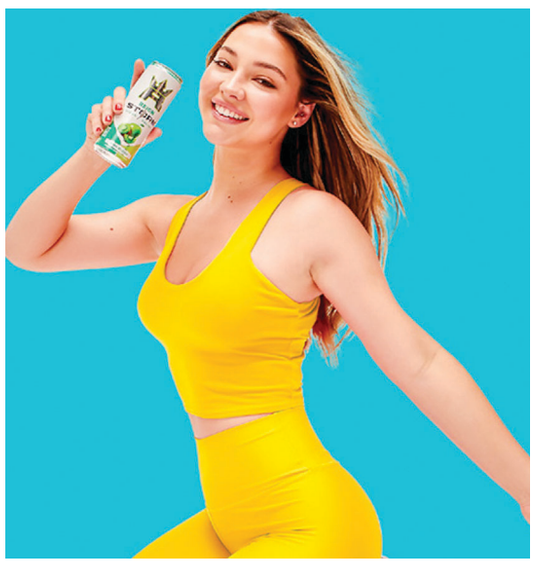

इन बीमारियों का बढ़ जाता है खतरा

आजकल मार्केट में तरह तरह के एनर्जी ड्रिंक्स मिलने लगे हैं। ये एनर्जी ड्रिंक भले ही शरीर को तुरंत एक्टिव मोड में ले आते हों, लेकिन लंबे समय में शरीर को नुकसान पहुंचाते हैं। हाई शुगर और हाई कैफीन वाले ये एनर्जी ड्रिंक पिछले कुछ सालों में डायबिटीज का बड़ा कारण बन चुके हैं। हाल की में कंबोडिया सरकार ने स्कूलों में एनर्जी ड्रिंक्स बेचने पर रोक लगा दी है। जिसकी वजह युवाओं में डायबिटीज, मोटापा और दूसरी बीमारियों के बढ़ना को बताया गया है। आइये जानते हैं कि एनर्जी ड्रिंक्स को क्यों इतना खतरनाक माना जाता है। अगर आप एनर्जी ड्रिंक पीते हैं तो इससे शरीर को क्या नुकसान होता है?

न्यूट्रीशियन, वेट लॉस कोच और कीटो डाइटिशियन स्वाति सिंह के अनुसार, एनर्जी ड्रिक्स में शुगर की मात्रा काफी ज्यादा होती है और जब आप ये ड्रिक्स पीते हैं तो शरीर इस शुगर को फैट और ट्राइग्लिसराइड्स के रूप में डिपॉजिट कर देता है। जिससे आपको फैटी लिवर की समस्या हो सकती है आपका ट्राइग्लिसराइड्स हाई हो सकता है। इससे आपको कार्डियक अरेस्ट आ सकता है। हाइपरटेंशन की समस्या हो सकती है। एनर्जी ड्रिंक्स में हाई कैफीन और शुगर होने के कारण इससे हार्ट बीट बढ़ सकती है और ब्लड प्रेशर बढ़ सकता है। ये सारी चीजें हार्ट के लिए ठीक नहीं है।

एनर्जी ड्रिंक के नुकसान

जब आप ऐसे एनर्जी ड्रिक्स लेते हैं तो इससे शरीर में कैफीन की मात्रा बढ़ती है जो आपको रेस्टलेस बनाता है। इससे एंग्जाइटी लेवल बढ़ जाता है। इससे आपकी नींद भी प्रभावित होती है। कुछ लोगों को नींद नहीं आने, सिर दर्द और माइग्रेन की समस्या होने लगती है। एनर्जी ड्रिंक्स में ग्लोकोज की मात्रा ज्यादा होने के कारण एसिड बढ़ सकता है। अगर आप लंबे समय तक किसी भी एनर्जी ड्रिंक का सेवन करते हैं तो इससे गैस्ट्राइटिस की समस्या हो सकती है। एसिड रिफ्लक्शन हो सकता है। नॉजिया हो सकता है। इसलिए एनर्जी ड्रिंक्स का सेवन न करें।

बच्चों के लिए क्यों खतरनाक हैं एनर्जी ड्रिंक

अगर बच्चे या युवा इस तरह के एनर्जी ड्रिक्स लेते हैं तो इससे बच्चों के दिमाग के विकास पर नेगेटिव असर पड़ सकता है। ऐसे बच्चे अपने गुस्से पर कंट्रोल नहीं रख पाते हैं। बच्चों के अंदर व्यवहार से जुड़े बदलाव आने लगते हैं। बच्चों में मेटाबोलिक डिसऑर्डर का खतरा बढ़ सकता है। अगर आप लगातार ऐसे ड्रिंक्स का सेवन करते हैं तो इससे शरीर की नेचुरल एनर्जी कम होने लगती है। आप बिना इन ड्रिक्स के खुद को थका हुआ और मानसिक तनाव में महसूस करते हैं।

एनर्जी ड्रिंक का किडनी पर असर

एनर्जी ड्रिंक्स के अंदर कैफीन का मात्रा ज्यादा होती है। ज्यादा कैफीन आपके शरीर को डिहाइड्रेट कर देता है। लंबे समय में डिहाइड्रेशन की वजह से आपकी किडनी पर असर आना शुरू हो जाता है। वहीं इसमें शुगर की मात्रा भी ज्यादा होती है जो किडनी को स्ट्रेस में डालती है। दोनों ही चीजें किडनी की सेहत के लिए ठीक नहीं हैं।

एनर्जी ड्रिंक्स पीने से बढ़ता है इन बीमारियों का खतरा

एनर्जी ड्रिंक्स ज्यादा पीने से मेंटल हेल्थ बुरी तरह से प्रभावित होती है। इससे नींद खराब होती है। डायबिटीज का खतरा बढ़ता है। ऐसे बच्चों में मोटापा बढ़ने लगता है और वो बुरी तरह से बर्बाद हो सकते हैं। एनर्जी ड्रिंक्स में टॉराइन और गुआराना जैसे तत्व पाए जाते हैं जो आपके अंदर मानसिक समस्याएं, टेंशन और घबराहट बढ़ा सकते हैं। टीनएज में बच्चों को इस तरह की ड्रिंक्स से दूर रखना चाहिए। ये उनके ओवरऑल डेवलपमेंट के लिए खतरनाक साबित हो सकती हैं।

पुलिस वाली बन फिर लौटेंगी रानी मुखर्जी, 'मर्दानी-3' साल 2026 में होगी रिलीज; डायरेक्टर का होगा डेब्यू

यशराज फिल्म्स की सुपरहिट फ्रेंचाइजी 'मर्दानी' पिछले 10 सालों से दर्शकों का दिल जीत रही है और हिंदी सिनेमा की सबसे बड़ी सोलो फीमेल-लीड फ्रेंचाइजी बन चुकी है। इस ब्लॉकबस्टर फ्रेंचाइजी ने न केवल अपार प्यार पाया है बल्कि सिने-प्रेमियों के बीच एक कल्ट स्टेटस हासिल किया है।

आज, 'मर्दानी 2' की रिलीज एनिवर्सरी पर, यशराज फिल्म्स ने आधिकारिक रूप से 'मर्दानी 3' की घोषणा की, जिसमें रानी मुखर्जी फिर से बहादुर पुलिस अफसर शिवानी शिवाजी रॉय की भूमिका में नजर आएंगी। रानी मुखर्जी, जो भारतीय सिनेमा की बेहतरीन अभिनेत्रियों में से एक हैं, अपने नाम पर एकमात्र सोलो लीड ब्लॉकबस्टर फ्रेंचाइजी रखने वाली अभिनेत्री हैं।

हम दर्शकों को निराश नहीं करेंगे- रानी

रानी मुखर्जी कहती हैं, मुझे अनाउंस करते हुए बहुत खुशी हो रही है कि हम अप्रैल 2025 से 'मर्दानी 3' की शूटिंग शुरू कर रहे हैं। पुलिस की वर्दी पहनना और एक ऐसा किरदार निभाना जो मुझे केवल प्यार ही देता है, वो हमेशा खास होता है। मुझे गर्व है कि मैं इस साहसी पुलिस ऑफिसर का रोल फिर से बड़े पर्दे पर निभाने जा रही हूं। यह फिल्म उन सभी गुमनाम बहादुर पुलिस अफसरों को समर्पित है, जो हर दिन हमारी सुरक्षा के लिए निस्वार्थ रूप से काम करते हैं। रानी आगे कहा, मर्दानी फ्रेंचाइज को दर्शकों ने खूब पसंद किया है। उनकी उम्मीद में खरा उतरना हम सबकी जिम्मेदारी है। हम दर्शकों को निराश न करने की पूरी कोशिश करेंगे। मर्दानी 3 बहुत डार्क, डेडली और ब्रूटल है।

अजय देवगन की फिल्म आजाद की रिलीज तारीख से उठा पर्दा, नया पोस्टर आया सामने

जनवरी 2025 में रवीना टंडन की बेटी राशा थडानी और अजय देवगन के भतीजे अमन देवगन बहुप्रतीक्षित फिल्म आजाद के साथ अपना बॉलीवुड डेब्यू करने के लिए तैयार हैं। फिल्म के पोस्टर और ट्रेलर पहले ही जारी हो चुके हैं, जिसमें अमन और राशा दमदार अवतार में नजर आए थे। वहीं, अब फिल्म के निर्माताओं ने आजाद की रिलीज की तारीख से भी पर्दा उठा दिया है।

निर्माताओं ने आज आजाद का नया पोस्टर जारी करते हुए फिल्म की रिलीज की तारीख की घोषणा की। फिल्म में अजय देवगन भी अहम भूमिका में नजर आएंगे। फिल्म के पोस्टर में अजय देवगन नजर आ रहे हैं। साथ ही राशा थडानी और अमन देवगन भी नजर आए। पोस्टर जारी करते हुए निर्माताओं ने बताया कि यह फिल्म 17 जनवरी, 2025 को रिलीज होने वाली है।

अजय देवगन ने भी फिल्म का नया पोस्टर जारी किया। उन्होंने पोस्ट के साथ कैप्शन में लिखा, इस कहानी का दिल एक योद्धा है, और धड़कन। आजाद, 17 जनवरी 2025 को बड़े पर्दे पर रोमांच का गवाह बनें। अब प्रशंसक बेहद उत्साहित हो गए हैं और सोशल मीडिया पर अपनी प्रतिक्रियाएं साझा कर रहे हैं।

वहीं, फिल्म की कहानी की बात करें तो स्वतंत्रता-पूर्व भारत में सेट आजाद में अजय देवगन एक कुशल घुड़सवार की भूमिका में हैं, जिसका अपने घोड़े से गहरा संबंध है। कहानी में दिलचस्प मोड़ तब आता है, जब अजय का सामना कठोर अंग्रेजी सेनाओं से होता है और अराजकता के दौरान उनका प्रिय घोड़ा गायब हो जाता है। खोए हुए घोड़े को खोजने की जिम्मेदारी अमन देवगन के किरदार पर आती है।

इससे पहले आजाद के बारे में बात करते हुए अजय देवगन ने कहा था कि राशा और अमन की फिल्म में मेरी भी महत्वपूर्ण भूमिका है। ट्रेलर रिलीज हो चुका है और लोग इसे पसंद कर रहे हैं। उम्मीद है कि वह बहुत मेहनती लड़का है। फिल्म का निर्माण उद्योग के दिग्गज रोनी स्क्रूवाला और प्रज्ञा कपूर ने किया है। अब यह फिल्म 17 जनवरी, 2025 को सिनेमाघरों में धूम मचाएगी।

फिर क्वीन बनेंगी कंगना रनौत, इमरजेंसी की रिलीज से पहले लगी सीक्वल पर मुहर

कंगना रनौत की क्वीन आज भी लोगों के जहन में बसी हुई है इसी फिल्म से कंगना को बॉलीवुड की क्वीन का टैग भी मिला। ये फिल्म लोगों को इतनी पसंद आई थी कि सबने इसके सीक्वल की खूब डिमांड की। अब आखिरकार इसके डायरेक्टर विकास बहल ने सीक्वल को कंफर्म कर दिया है। इससे कंगना रनौत के फैंस के बीच खुशी की लहर है।

विकास बहल ने चिल्लर पार्टी, क्वीन, सुपर 30, शैतान जैसी यादगार फिल्में बनाई हैं। जहां उनकी फिल्मों ने दर्शकों के दिलों में जगह बना ली है, वहीं रानी के रूप में अपनी यादगार भूमिका को दोहराते हुए कंगना रनौत की क्वीन के सीक्वल की अटकलें चल रही थीं जो अब सच हो गई हैं। हाल ही में एक इंटरव्यू में विकास बहल ने ऑफिशियली पुष्टी की है कि क्वीन 2 पर काम चल रहा है। उन्होंने कहा, हम पिछले कुछ समय से क्वीन 2 पर काम कर रहे हैं और आखिरकार हमारे पास कुछ बताने को है। हालांकि उन्होंने सीक्वल के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं दी। लेकिन इस कंफर्मेशन से कंगना के फैंस के बीच खुशी की लहर दौड़ गई है।

पिछले साल, विकास ने हिंट दिया था कि सीक्वल पर काम चल रहा है और कंगना रनौत अपनी भूमिका को फिर से निभाएंगी। जिस पर रिएक्शन देते हुए कंगना ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर लिखा था, हां। अब 2024 में क्वीन के 10 साल पूरे होने पर विकास ने इसके सीक्वल के बारे में पुष्टी की है। उन्होंने इंटरव्यू में कहा, क्वीन की रिलीज को दस साल होने जा रहे हैं, लेकिन जितने लोग मुझसे क्वीन 2 के बारे में पूछते रहते हैं, उससे मुझे ऐसा लगता है जैसे फिल्म कल ही रिलीज हुई हो। उन्होंने कहा, मुझे यह कहते हुए खुशी हो रही है कि हमने वास्तव में अपनी कहानी लिखना समाप्त कर दिया है। इसलिए, हां सीक्वल बनना बनेगा।

फिल्म मेकर ने इस बात पर जोर दिया कि सीक्वल को जल्दबाजी में नहीं बनाया गया, क्योंकि वह चाहते थे कि स्क्रिप्ट ओरिजिनल फिल्म के साथ न्याय करे। उन्होंने हंसते हुए कहा, ना शोहरत, ना पैसा, बस प्यार में ही चल रहा है मेरा। उन्होंने कहा, फिल्म अच्छी होगी तो हम पैसा तो कमा ही लेंगे लेकिन एक अच्छी कहानी होना बहुत जरुरी है।

2014 में रिलीज हुई क्वीन को भारतीय सिनेमा की एक ऐतिहासिक फिल्म माना जाता है। फिल्म में कंगना एक छोटे शहर की लड़की है जो अपने मंगेतर द्वारा ठुकराए जाने के बाद खुद के साथ हनीमून पर निकलती है। विकास बहल द्वारा निर्देशित इस फिल्म ने कई पुरस्कार जीते, जिसमें कंगना को मिला नेशनल अवॉर्ड भी शामिल हैं। क्वीन में कंगना रनौत के साथ राजकुमार राव ने लीड रोल प्ले किया है।

एक्ट्रेस नेहा शर्मा ने थाई-हाई स्लिट गाउन में गिराई बिजली, सेक्सी अदाओं ने फैंस को किया घायल

बॉलीवुड एक्ट्रेस नेहा शर्मा किसी भी पहचान की मोहताज नहीं हैं। उन्होंने अपनी बोलडनेस और हॉटनेस से फैंस को इस कदर दीवाना बनाया है कि लोग उनकी तारीफों के पुल बांधते नहीं थकते हैं। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में उनकी ग्लैमरस अदाएं देखकर फैंस एक बार फिर से अपने होश खो बैठे हैं।

बॉलीवुड एक्ट्रेस नेहा शर्मा सोशल मीडिया पर हमेशा ही अपनी स्टाइल और ग्लैमर से चर्चा में रहती हैं. हाल ही में, उन्होंने इंस्टाग्राम पर अपनी कुछ तस्वीरें शेयर की हैं, जिनमें वह एक थाई-हाई स्लिट गाउन में नजर आ रही हैं. इस गाउन के साथ नेहा ने लाइट मेकअप और खुले बालों के साथ अपनी सेक्सी अदाओं का जलवा दिखाया, जो उनके फैंस को पूरी तरह से घायल कर गया है.

नेहा का यह लुक बेहद ग्लैमरस और बोल्ड था, जिसमें उनका कॉफी कलर गाउन खास आकर्षण का केंद्र बना. उन्होंने पोज़ देते हुए कैमरे के सामने अपनी सुंदरता का जादू बिखेरा. इस लुक के साथ उनकी अदाएं और आत्मविश्वास ने सोशल मीडिया पर तहलका मचाया, और फैंस ने उन्हें ढेरों लाइक्स और कमेंट्स से प्यार दिया.

नेहा शर्मा भले ही इन दिनों किसी फिल्म में दिखाई नहीं दे रही हैं, लेकिन आए दिन अपनी हॉटनेस से इंटरनेट पर कहर बरपाती रहती हैं।

रस्सी कूदना घुटनों के लिए कितना होता है हानिकारक? जानें सही तरीका

रस्सी कूदना एक लोकप्रिय एक्सरसाइज है, जिसे लोग सेहतमंद बने रहने के लिए अपनाते हैं। हालांकि, कई बार यह सवाल उठता है कि क्या यह घुटनों के लिए हानिकारक हो सकती है? इस लेख में हम इसी मिथक को समझने की कोशिश करेंगे और जानेंगे कि क्या सच में रस्सी कूदना घुटनों के लिए नुकसानदायक है या नहीं। सही तकनीक और सावधानियों का पालन करके आप इसे सुरक्षित बना सकते हैं।

सही तकनीक अपनाएं

रस्सी कूदते समय सही तकनीक का पालन करना बहुत जरूरी है। गलत तरीके से रस्सी कूदने से घुटनों पर दबाव बढ़ सकता है, जिससे चोट लगने का खतरा होता है। हमेशा ध्यान रखें कि आपके पैर जमीन पर धीरे से पड़ें और अपने घुटनों को थोड़ा मोड़कर रखें। इससे झटके कम होंगे और घुटनों पर दबाव नहीं पड़ेगा। इसके अलावा, अपने शरीर को सीधा रखें और संतुलन बनाए रखें, ताकि यह एक्सरसाइज सुरक्षित और प्रभावी हो सके।

सही जूते पहनें

रस्सी कूदते समय सही जूतों का चयन करना भी

जरूरी होता है। अच्छी गुणवत्ता वाले स्पोर्ट्स शूज पहनने से आपके पैरों और घुटनों को पर्याप्त सहारा मिलता है, जिससे चोट लगने की संभावना कम हो जाती है।जूतों का सोल मुलायम होना चाहिए, ताकि जमीन पर पड़ने वाले झटके को कम किया जा सके। इसके अलावा, जूतों का फिट भी सही होना चाहिए, ताकि वे आरामदायक हों और एक्सरसाइज के दौरान पैर सुरक्षित रहें।

वार्म-अप करें

एक्सरसाइज शुरू करने से पहले वार्म-अप करना जरूरी होता है। इससे मांसपेशियों में लचीलापन आता है और चोट लगने की संभावना कम होती है।रस्सी कूदने से पहले कुछ मिनट स्ट्रेचिंग करें, ताकि आपके शरीर की मांसपेशियां तैयार हो जाएं। इसके अलावा, आप हल्की जॉगिंग भी कर सकते हैं, जिससे आपका शरीर पूरी तरह से गर्म हो जाए और घुटनों पर दबाव कम पड़े।इस तरह आप चोट से बच सकते हैं और एक्सरसाइज का लाभ उठा सकते हैं।

धीरे-धीरे तीव्रता बढ़ाएं

अगर आप नए हैं तो शुरुआत में धीरे-धीरे तीव्रता बढ़ाएं। अचानक ज्यादा देर तक रस्सी कूदने से घुटनों पर अधिक दबाव पड़ सकता है, जिससे चोट लग सकती है।पहले कुछ मिनट तक ही रस्सी कूदें और फिर धीरे-धीरे समय और तीव्रता बढ़ाएं। इससे आपके घुटनों को आराम मिलेगा और वे एक्सरसाइज के लिए धीरे-धीरे तैयार हो जाएंगे।इस प्रकार, आप चोट से बच सकते हैं और एक्सरसाइज का पूरा लाभ उठा सकते हैं।

डॉक्टर की सलाह लें

अगर आपको पहले से ही किसी प्रकार की घुटनों की समस्या या दर्द हो तो डॉक्टर की सलाह जरूर लें। वे आपकी स्थिति के अनुसार आपको उचित मार्गदर्शन देंगे कि आपको रस्सी कूदनी चाहिए या नहीं।इस प्रकार, अगर आप सही तकनीक अपनाते हैं, उचित जूते पहनते हैं, वार्म-अप करते हैं और धीरे-धीरे तीव्रता बढ़ाते हैं तो रस्सी कूदना आपके स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद हो सकता है न कि हानिकारक।

समाज व देश हित में कार्य कर रहे सफाई कर्मचारियों के परिवार की सुरक्षा शासन का दायित्व है - अरुण साव

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने सफाई कर्मचारियों को वितरित किया पीपीई किट

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री अरुण साव ने आज नमस्ते (National Action for Mechanized Sanitation Ecosystem) योजना के तहत सीवर एवं सेप्टिक टैंक की सफाई करने वाले 38 कर्मचारियों को पीपीई किट प्रदान किया। उन्होंने रायपुर स्थित अपने निवास कार्यालय में आयोजित पीपीई किट वितरण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि कोई काम छोटा या बड़ा नहीं होता।

मन लगाकर गंभीरता से किया गया काम व्यक्ति को बड़ा बनाता है। उन्होंने कहा कि एक गरीब मां का बेटा श्री नरेन्द्र मोदी जब देश का प्रधानमंत्री बना, तो ऐसी योजनाएं फलीभूत हुईं जिनकी 70 वर्षों में किसी ने कल्पना नहीं की थी। मोदी सरकार देश में और विष्णु देव सरकार छत्तीसगढ़ में गरीबों के कल्याण के लिए कार्य कर रही है। श्री साव ने कहा कि समाज व देश के हित में कार्य कर रहे सीवर एवं सेप्टिक टैंक सफाई कर्मचारियों की सुरक्षा एवं उनके परिजनों का कल्याण सरकार का दायित्व है। सफाई कर्मचारियों के बच्चों की शिक्षा, परिवार की सुरक्षा और स्वास्थ्य का दायित्व छत्तीसगढ़ सरकार पूर्ण कर रही है। उप मुख्यमंत्री श्री साव ने सभी सीवर एवं सेप्टिक टैंक सफाई कर्मचारियों से कहा कि वे अपनी आत्मसुरक्षा के लिये जागरूक रहें, इसमें कदापि लापरवाही न करें। सरकार द्वारा दिए गए पीपीई किट का पूर्ण सदुपयोग काम के दौरान अपनी सुरक्षा के लिए अवश्य करें। उन्होंने उम्मीद जताई कि पीपीई किट के उपयोग से सीवर एवं सेप्टिक टैंक सफाई कर्मचारियों में सुरक्षित कार्य का वातावरण निर्मित होगा। सुडा के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री शशांक पाण्डेय, अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री दुष्यंत कुमार और रायपुर नगर निगम के अपर आयुक्त श्री राजेन्द्र प्रसाद गुप्ता सहित नगरीय प्रशासन विभाग एवं रायपुर नगर निगम के कई अधिकारी भी कार्यक्रम में मौजूद थे।

केन्द्र सरकार के आवासन एवं शहरी कार्य तथा सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय द्वारा संयुक्त रूप से देश के नगरीय निकायों में नमस्ते योजना का संचालन किया जा रहा है। छत्तीसगढ़ में सुडा (राज्य शहरी विकास अभिकरण) द्वारा सुरक्षित व सम्मानजनक कार्य परिस्थितियां प्रदान करने सीवर एवं सेप्टिक टैंक की सफाई करने वाले कर्मचारियों को पीपीई किट प्रदान किया जा रहा है।

इसके अंतर्गत राज्य के 169 नगरीय निकायों में 711 कर्मचारियों को पीपीई किट दिए जाएंगे। दो जोड़ी पीपीई किट ड्रेस के साथ ही उन्हें गम बूट, हेलमेट, ग्लब्स, मास्क और आंखों की सुरक्षा के लिए चश्मा प्रदान किया जाएगा। नमस्ते योजना का मुख्य उद्देश्य हाथ से मैला ढोने की प्रथा को पूर्णता समाप्त करना, स्वच्छता कार्यों का यंत्रीकरण करना तथा सीवर व सेप्टिक टैंक सफाई कर्मचारियों को स्थाई आजीविका का साधन उपलब्ध कराना है। राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी वित्त विकास निगम द्वारा इसका संचालन किया जा रहा है।

भारतीय सेना के 1971 के युद्ध में विजय की 53वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में नवा रायपुर में सोल्जरथॉन मैराथन का आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर (पीआईबी)। भारतीय सेना द्वारा छत्तीसगढ़ शासन के सहयोग से 15 दिसंबर, 2024 को अटल नगर, नवा रायपुर के सेंट्रल पार्क में सोल्जरथॉन मैराथन का विशेष संस्करण आयोजित किया जा रहा है । यह आयोजन पाकिस्तान के साथ 1971 के युद्ध में भारत की निर्णायक जीत की 53वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में होगा, जो देश के इतिहास का एक महत्वपूर्ण अध्याय है ।

मैराथन में सभी स्तरों के प्रतिभागियों के लिए विभिन्न श्रेणियों की दौड़ होंगी, जिसमें 21 किलोमीटर, 10 किलोमीटर और 05 किलोमीटर की दौड़ के साथ ही साथ 03 किलोमीटर की पैदल यात्रा भी शामिल है । इसके लिए रेस-एक्सपो का आयोजन 14 दिसंबर, 2024 को सेंट्रल पार्क, नया रायपुर में किया जाएगा ।

इस आयोजन का एक मुख्य आकर्षण 1971 के भारत-पाक युद्ध से संबंधित युद्ध अवशेषों को प्रदर्शित करना है । प्रदर्शनी में युद्ध से संबंधित सैन्य कलाकृतियाँ, तस्वीरें और यादगार चीज़ें प्रदर्शित की जाएँगी । इस प्रदर्शनी के माध्यम से लोगों को 1971 संघर्ष के इतिहास से जुड़ने और इस महत्वपूर्ण अवधि के दौरान भारतीय सैनिकों द्वारा किए गए बलिदानों के बारे में जानकारी प्राप्त करने अवसर मिलेगा ।

जनरल वीके सिंह, पीवीएसएम, एवीएसएम, वाईएसएम, एडीसी, पूर्व सेनाध्यक्ष, प्रस्?ावित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि होंगे । इस अवसर वे पैराप्लेजिक रिहैबिलिटेशन सेंटर को 19,63,284 रुपये का चेक प्रदान करेंगे। सोल्जरथॉन मैराथन न केवल फिटनेस का उत्सव है, बल्कि 1971 के युद्ध में लड़ने वाले भारतीय सैनिकों की वीरता और बलिदान को श्रद्धांजलि भी है। इसका उद्देश्य भारतीय सशस्त्र बलों और छत्तीसगढ़ के नागरिकों के बीच मजबूत संबंध को बढ़ावा देना तथा एकता, देशभक्ति और राष्ट्रीय गौरव की भावना को मजबूत करना है ।

सुशासन का एक साल, छत्तीसगढ़ हुआ खुशहाल : जनसंपर्क विभाग की छायाचित्र प्रदर्शनी का लोगों ने किया अवलोकन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के कुशल नेतृत्व में राज्य सरकार के 13 दिसम्बर को 1 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में 'सुशासन का एक साल छत्तीसगढ़ हुआ खुशहाल' की थीम पर जिला जनसंपर्क कार्यालय, रायगढ़ द्वारा कलेक्टोरेट परिसर के पास छायाचित्र प्रदर्शनी लगाई गई।

जिसमें राज्य शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के तहत जिले में पिछले एक वर्ष में हुए महत्वपूर्ण उपलब्धियों एवं कार्यक्रमों को छायाचित्रों के माध्यम से प्रदर्शित किया गया। प्रदर्शनी का जन सामान्य ने अवलोकन कर वितरित मासिक पत्रिका छत्तीसगढ़ जनमन, सुशासन के नवीन आयाम सहित जनकल्याणकारी योजनाओं की पंपलेट एवं पुस्तिकाएं प्राप्त किए।

छायाचित्र प्रदर्शनी में कृषक उन्नति योजना से किसानों में आयी खुशहाली रायगढ़ के किसानों को 494.31 करोड़ का हुआ भुगतान, ज्ञान आधारित समाज की ओर बढ़ते कदम नालंदा परिसर का भूमिपूजन किया गया। नालंदा परिसर में स्मार्ट लाइब्रेरी व स्टडी जोन होगा, हजारों किताबों के संग्रह के साथ अंतर्राष्ट्रीय स्तर के ई-बुक एक्सेस करने की भी सुविधा होगी। स्मार्ट लर्निंग पर फोकस होगा। 24ङ्क7 वाईफाई और इंटरनेट की सुविधा भी छात्रों को यहां मिलेगी। इसी तरह प्रदर्शनी में जन समस्या निवारण शिविरों से आम जन तक पहुंच रहा जिला प्रशासन, महतारी बंधन से माता बहनों को मिल रहा आर्थिक संबल, रायगढ़ जिले की महिलाओं को 249 करोड़ से अधिक की राशि की जारी, स्वास्थ्य सुविधाओं का निरंतर हो रहा विस्तार रायगढ़ जिले के 9.55 लाख से अधिक हितग्राहियों का बनाए गए आयुष्मान कार्ड, राजस्व प्रकरणों के सुगम निराकरण हेतु एक वर्ष में 1.66 लाख से अधिक नक्शों का किया गया अद्यतीकरण, पीएम आवास योजना से लोगों को मिल रहा खुशियों का आशियाना रायगढ़ में वर्ष 2024-25 में 36 हजार से ज्यादा आवास निर्माण को मिली स्वीकृति, राम लाल दर्शन योजना से श्रद्धालुओं को मिल रहा प्रभु श्री राम के दर्शन का अवसर, रायगढ़ जिले से अब तक आठ जत्थों में श्रद्धालुओं ने अयोध्या धाम के किए दर्शन, केंद्र सरकार की जल शक्ति 'कैच द रैन रन' अभियान अंतर्गत जल संचय जन भागीदारी श्रेणी में पूरे देश में रायगढ़ जिला टॉप में रहा, एक पेड़ मां के नाम पर रायगढ़ में चलाया गया वृहद वृक्षारोपण अभियान, नेवता भोज से छात्रों में सामुदायिक जुड़ाव को मिल रहा बढ़ावा, जल जीवन मिशन से घर-घर पहुंच रहा शुद्ध पेयजल सहित जनप्रतिनिधियों द्वारा विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमि पूजन का छायाचित्र प्रदर्शित किया गया।

प्रदर्शनी में मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय, वित्त मंत्री श्री ओ.पी चौधरी सहित अनेक जनप्रतिनिधियों द्वारा किए गए बच्चों के साथ न्यौता भोज, श्री रामलला (अयोध्या धाम) दर्शन, राष्ट्रीय पोषण माह कार्यक्रम, आवास मेला के साथ ही राज्य सरकार के फ्लैगशिप योजनाओं-महतारी वंदन, धान खरीदी, प्रधानमंत्री आवास, तेंदूपत्ता संग्रहण आदि उपलब्धियों को प्रदर्शित किया गया।

छायाचित्र प्रदर्शनी का लोगों ने की सराहना

जिला जनसंपर्क कार्यालय, रायगढ़ द्वारा कलेक्टोरेट परिसर के पास लगाए गए छायाचित्र प्रदर्शनी को देखने आ रहे लोगों ने खूब सराहना की। उन्होंने कहा कि बीच-बीच में सार्वजनिक जगहों पर ऐसा प्रदर्शनी का आयोजन होते रहना चाहिए, जिससे शासन की जो भी योजनाएं है उससे जानने एवं समझने का लोगों को मौका मिल सके। उन्होंने कहा कि सरकार डिजीटल, पारदर्शी व्यवस्था की दिशा में काम कर रही है, जो सराहनीय है। महतारी वंदन योजना के माध्यम से महिलाओं की खाते में एक हजार प्रतिमाह मिलने से महिला सशक्तीकरण को बढ़ावा मिल रहा है। जिससे किसान भी सशक्त हो रहे है। पीएम आवास से आज लोगों के पक्के घरों का सपना पूरा हो रहा है। प्रदर्शनी देखने आये लोगों ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का आभार जताया।

ड्रोन दीदी बनी किसानों की मददगार

नमो ड्रोन दीदी योजना से किसानों को पैसे एवं समय की हो रही बचत

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय सरकार द्वारा स्व-सहायता समूह की महिलाओं को कृषि सेवाएँ प्रदान करने के लिए ड्रोन तकनीक से लैस करके उन्हें सशक्त बनाने के उद्देश्य से नमो ड्रोन दीदी योजना संचालित की जा रही है। योजना के तहत महिलाओं को ड्रोन संचालन का प्रशिक्षण देकर कृषि में ड्रोन का इस्तेमाल करने में सक्षम बनाया जा रहा है। योजनांतर्गत चयनित महिला या समूह को ड्रोन और सहायक उपकरण दिए जाते हैं। साथ ही ड्रोन से जुड़े खर्चों को कम करने के लिए वित्तीय सहायता भी दी जाती है।

मुंगेली जिले के नगर पंचायत सरगांव की नमो ड्रोन दीदी गोदावरी साहू ने बताया कि वे विहान अंतर्गत जय माता दी महिला स्व-सहायता समूह की सदस्य है। नमो ड्रोन योजना अंतर्गत इफ्को के माध्यम उन्हें ग्वालियर में 15 दिन का प्रशिक्षण दिया गया, जिसमें थ्योरी व प्रेक्टिकल के साथ ग्राउंड लेवल पर ड्रोन को चलाने के संबंध में जानकारी दी गई। इसके बाद फूलपूर में 05 दिवसीय ड्रोन के संबंध में प्रशिक्षण दिया गया। वह अब ड्रोन के माध्यम से किसानों के खेतों में नैनो यूरिया, नैनो डीएपी और कीटनाशक का छिड़काव करती है।

इससे किसानों के पैसे और समय की बचत हो रही है। इसके साथ ड्रोन से वायु प्रदूषण भी नहीं होता। उन्होंने बताया कि ड्रोन के माध्यम से एक ही दिन में 20 से 25 एकड़ खेत में कीटनाशक दवाईयों का छिड़काव हो जाता है, जिससे किसानों द्वारा श्रमिकों को देने वाले पैसे की बचत तो हो ही रही है। साथ ही किसानों का समय भी बच रहा है।

वहीं ग्राम के किसान ने बताया कि पहले कृषि यंत्र स्प्रेयर के माध्यम से अपने गन्ने की फसल में दवाई का छिड़काव करते थे। जहाँ गन्ने की फसल की उँचाई ज्यादा होने से उन्हें फसल के बीच जाकर दवाई छिड़काव करने में काफी समय लगता था और समस्याएं भी काफी बनी रहती थी।

लेकिन अब उन्हें कम समय व कम खर्च में ही अपने फसलों में कीटनाशक दवाई के छिड़काव के लिए एक अच्छा मददगार ड्रोन दीदी के रूप में मिल गया है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय द्वारा किसानों के हित में काफी अच्छी योजनाएं संचालित की जा रही है। इसके लिए उसने खुशी-खुशी शासन को धन्यवाद देते हुए आभार व्यक्त किया है।

आँगनबाड़ी केंद्रों में मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें- कलेक्टर

श्रीकंचनपथ न्यूज

सुकमा। कलेक्टर देवेश कुमार ध्रुव की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में शुक्रवार को महिला एवं बाल विकास विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। समीक्षा बैठक में विभाग के द्वारा संचालित विभिन्न हितग्राहीमूलक योजनाओं पर विस्तार से चर्चा किया गया। बैठक में गर्भवती और शिशुवती महिलाओं का शत-प्रतिशत पंजीयन कर ऑनलाइन एंट्री करने के निर्देश दिए गए। महिलाओं और बच्चों को निर्धारित समयसीमा में टीकाकरण के लिए जागरूक करने और उन्हें पूरक पोषण आहार प्रदान करने के

निर्देश दिए गए।

आँगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को स्वास्थ्य विभाग की मासिक समीक्षा बैठक में अनिवार्य रूप से शामिल होने के निर्देश दिए गए। कलेक्टर ध्रुव ने कहा कि रेडी टू ईट और सुपोषण चौपाल योजना से अधिक से अधिक महिलाओं को लाभान्वित करना शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता में है। महिलाओं और बच्चों को पूरक पोषण आहार समय पर मिलना चाहिए। महिलाओं को महतारी वंदन योजना, नोनी सुरक्षा योजना और प्रधानमंत्री मातृत्व योजना के बारे में जागरूक कर योजना का लाभ दिलाना सुनिश्चित करें। पोषण पुनर्वास केंद्रों में कुपोषित बच्चों को चिन्हांकित कर प्राथमिकता से भेजें। आंगनबाड़ी केंद्रों में आवश्यक मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। मरम्मत योग्य आंगनबाड़ी केंद्रों की सूची और नवीन आँगनबाड़ी भवन बनाने के लिए जगह का चिन्हांकन कर शीघ्र जिला कार्यालय में जमा करें। महिला सशक्तिकरण के लिए महिलाओं को स्व-रोजगार के लिए प्रोत्साहित करें।

कलेक्टर ध्रुव ने कहा कि शासन द्वारा संचालित हितग्राहीमूलक योजनाओं के क्रियान्वयन में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जिला पंचायत सीईओ नम्रता जैन ने भी बैठक में उपस्थित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। बैठक में जिला महिला बाल विकास अधिकारी बिस्मिता पाटले, सभी परियोजना अधिकारी और पर्यवेक्षक उपस्थित थे।

हाथी और बाघ संरक्षण पर आधारित एक दिवसीय अंतर्राज्यीय सम्मेलन

वन अधिकारियों ने साझा किए हाथी और बाघ संरक्षण की बेहतर कार्यप्रणाली

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ और मध्यप्रदेश दोनों राज्यों ने हाथियों और बाघों के संरक्षण के लिए 'लैंडस्केप एप्रोच' अपनाने की आवश्यकता पर बल दिया। जो इन प्रजातियों के आवास को संरक्षित करने और उनके प्राकृतिक आवासों के बढ़ते खतरों को कम करने के लिए अत्यधिक प्रभावी माना गया।

वन मंत्री केदार कश्यप के निर्देशानुसार वन विभाग द्वारा विगत दिनों राजधानी रायपुर में एक दिवसीय अंतर्राज्यीय सम्मेलन का आयोजन किया गया, जिसमें छत्तीसगढ़ और मध्यप्रदेश के वरिष्ठ

वन अधिकारियों ने भाग लिया। यह सम्मेलन हाथियों और बाघों के संरक्षण हेतु दोनों राज्यों के बीच सर्वोत्तम उपायों और समन्वय पर चर्चा करने के उद्देश्य से आयोजित की गई थी।

इस अवसर पर हाथियों और बाघों के संरक्षण के लिए संयुक्त प्रयास किए जाने के लिए दोनों राज्यों के अधिकारियों ने सहमति दी।

सम्मेलन में वन्यजीवों के आवासों को सुरक्षित रखने के लिए परस्पर सर्वोत्तम उपायों का आदान-प्रदान किया जाएगा और छत्तीसगढ़ और मध्यप्रदेश के वन विभाग दोनों राज्यों के बीच निरंतर समन्वय स्थापित कर हाथी और बाघ के संरक्षण की दिशा में सतत कार्य करने पर जोर दिया गया।

सम्मेलन में मध्यप्रदेश के प्रधान मुख्य वन संरक्षक शुभ्रंजन सेन, छत्तीसगढ़ के मुख्य वन संरक्षक सुधीर कुमार अग्रवाल और छत्तीसगढ़ अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक प्रेम कुमार, मध्यप्रदेश से बांधवगढ़, कान्हा और संजय गांधी टाइगर रिजर्व के वन अधिकारी सहित छत्तीसगढ़ से टाइगर रिजर्व और बिलासपुर और सरगुजा वन मंडलाधिकारी भी उपस्थित थे।

शासकीय नवीन महाविद्यालय कोंटा में आयुष विभाग ने लगाया स्वास्थ्य शिविर

सुकमा। देश की प्रकृति परीक्षण अभियान के अंतर्गत शुक्रवार को शासकीय नवीन महाविद्यालय कोंटा में विद्यार्थियों एवं कार्यालयीन स्टाफ का शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य परीक्षण किया गया।

कलेक्टर देवेश कुमार ध्रुव के निर्देशानुसार जिले में स्वास्थ्य विभाग के द्वारा नागरिकों को स्वास्थ्य लाभ प्रदान करने के लिए स्वास्थ्य शिविर लगाए जा रहे हैं। इसी कड़ी में आयुष विभाग के द्वारा महाविद्यालय के शैक्षणिक, गैर शैक्षणिक स्टाफएवं विद्यार्थियों का शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य का परीक्षण आयुष मंत्रालय भारतीय चिकित्सा पद्धति के मोबाईल एप्लीकेशन के माध्यम से किया गया। इस अवसर पर आयुष चिकित्सक डॉ. वीरेन्द्र कुमार पुरोहित कोण्टा, डॉ. सुधांशु शेखर पण्डा मरईगुड़ा, डॉ. आशुतोष मित्रा एर्राबोर ने विद्यार्थियों को शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य परीक्षण किये एवं तंदरूस्त रखने के लिये संतुलित भोजन, योग, ध्यान और प्राणायाम को अपने दिनचर्या में नियमित रूप से अपनाने संबंधी परामर्श दिये।

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM
Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES
FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden)
Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

दास गार्मेन्ट्स
जींस, शर्ट, टी-शर्ट, फ्राक सूट, फ्राक, फैंसी सलवार सूट एवं किट्स वियर,अंडर गारमेन्ट्स, गाउन के लेटेस्ट कलेक्शन
एक बार अवश्य पधारें
गणेश मार्केट, गुरुद्वारा, रोड सुपेला, भिलाई, 7828248067

Ashok
JEWELLERY
Gifts ● Toys ● Cosmetics
Perfumes ● Sia Jewellery
Beside Parakh Jewellers, Akash Ganga, Supela, Bhilai
Hello: 0788-4052727
Mukesh Jain 9009959111
Rishabh Jain 8103831329

खास खबर

तेज रफ्तार ट्रक ने मारी टक्कर बाइक सवार युवक की मौत

कोटा (ए.)। विवाह के लिए लड़की देखने जा रहे युवक की सड़क हादसे में मौत हो गई है। यह सड़क हादसा कोटा नगर के रामनगर में हुई है। तेज रफ्तार ट्रक ने पीछे से आकर मोटरसाइकिल को अपनी चपेट में लिए और बहुत दूर तक मोटरसाइकिल को घसीटते ले गया। हादसे में ग्राम दैजा निवासी जुगेश कुमार कोसले पिता दुर्जन प्रसाद कोसले 22 वर्ष की मौत हो गई साथ ही पीछे बैठा भाई राजकिशोर कोसले घायल हो गया।

बताया जाता है कि जुगेश कोसले अपने भाई और पिता और एक अन्य के साथ विवाह के लिए लड़की देखने अपने गांव ग्राम दैजा से दो मोटरसाइकिल से रतनपुर जा रहे थे। जब यह लोग कोटा नगर के रामनगर के पास पहुँचे ही थे कि पीछे से तेज रफ्तार से आ रही ट्रक सीजी-ए-1811 मृतक जुगेश कोसले को अपनी चपेट में ले लिए जिससे मौके पर उसकी मौत हो गई तो वही पीछे बैठा उसका बड़ा भाई राजकिशोर कोसले घायल हो गया। ट्रक की रफ्तार तेज होने की वजह से बहुत दूर तक मोटरसाइकिल को घसीटते हुई ले गई। स्थानीय लोगो ने ट्रक को रूकवाया और तत्काल कोटा पुलिस को घटना की जानकारी दी। कोटा पुलिस ने घटना स्थल पर पहुचकर शव का पंचनामा कार्यवाही कर शव को पोस्टमार्टम के लिए मरचुरी में रखवा दिया है। कोटा पुलिस ने ट्रक ड्राइवर सहित ट्रक को थाने ले गई है।

झांसा देकर ठगी करने वाले आरोपी को पुलिस ने पकड़ा, दो फरार

धमतरी (ए.)। जिले में नौकरी का झांसा ठगी करने वाले आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। मामले में दो आरोपी फरार हैं, जिनकी तलाश पुलिस कर रही है।

नरहरपुर जिला कांकेर निवासी विवेकानंद साहू द्वारा 10 दिसंबर 2024 को अर्जुनी थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि भावेंद्र कुमार अग्रवाल निवासी ग्राम लिमतरा जिला धमतरी द्वारा रायपुर मंत्रालय में सहायक ग्रेड-3 पर नौकरी लगाने की बात कही थी। जिस पर मेरे द्वारा आठ दिसंबर 2022 को छह लाख रुपये दिया गया था, जब नौकरी नहीं लगने पर पैसा वापस मांगा गया तो भावेंद्र अग्रवाल द्वारा डेढ़ लाख रुपए वापस दिया गया और बाकी राशि को अभी तक नहीं दिया गया है। पीड़ित द्वारा उक्त व्यक्ति के ऊपर धोखाधड़ी का आरोप लगाते हुए मामला दर्ज कराया था। वहीं, अर्जुनी पुलिस ने मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई में जुट गई थी। इस दौरान पुलिस ने भावेंद्र अग्रवाल को हिरासत में लेकर कड़ाई से पूछताछ की, जिस पर आरोपी ने अन्य दो साथियों के साथ मिलकर लगभग 14 लोगों से 72 लाख रुपये नौकरी लगाने के नाम से धोखाधड़ी किया गया है, जिस पर अर्जुनी पुलिस ने 13 दिसंबर को आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया है। इसके साथ ही अन्य दो आरोपी की तलाश की जा रही है।

बांग्लादेशी घुसपैठियों की आशंका, हथखोज की नई बस्ती में पुलिस की धमक, संदिग्ध लाए गए थाने

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। बांग्लादेशी नागरिक होने की आशंका से भिलाई-3 थाना क्षेत्र के औद्योगिक क्षेत्र हथखोज की नई बस्ती में पुलिस की जोरदार धमक देखने को मिली। पांच थानों की बल के साथ बस्ती में रहने वाले एक ङ्क एक नागरिक का वेरिफिक्रेशन किया गया। इस दौरान किसी भी घर से कोई भी अवैध हथियार वगैरह नहीं मिल पाया है। वहीं 21 संदिग्धों को पूछताछ के लिए भिलाई-3 थाना लाया गया है। हाल ही में गृहमंत्री ने दुर्ग में कहा था कि यहां भी बांग्लादेशी घुसपैठियों के लिए सर्च ऑपरेशन चलाया जाएगा।

भिलाई-3 थाना क्षेत्र के अंतर्गत औद्योगिक क्षेत्र हथखोज की नई बस्ती में रहवासियों की पहचान के लिए आज सुबह 6:30 बजे से वेरिफिक्रेशन प्रारंभ किया गया। जो सुबह 9:30 बजे तक जारी रहा। इस संदिग्ध लोगों को पूछताछ के लिए भिलाई-3 थाने ले जाया गया है। इस दौरान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक भिलाई शहर सुखनंदन राठौर, भिलाई ङ्क चरोदा निगम कमिश्नर दर्शन सिंह राजपूत, तहसीलदार एवं पांच थाने जामुल, छावनी, खुर्सीपार, भिलाई-3 एवं कुम्हारी का पुलिस बल मौजूद रहा। पुलिस की इस औचक कार्रवाई को कुछ दिन पहले प्रदेश के गृहमंत्री एवं उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा के दुर्ग में दिए गए उस बयान से जोड़कर देखा जा रहा है जिसमें उन्होंने बांग्लादेशी घुसपैठियों की पहचान करने अभियान चलाने की बात कही थी।

बता दें कि भिलाई-चरोदा नगर निगम क्षेत्र के हथखोज वार्ड में औद्योगिक विकास निगम की खाली जमीन पर एक नई बस्ती बस गई है। इस बस्ती में रहने वाले ज्यादातर परिवार बांग्लाभाषी और धर्म विशेष से ताल्लुक रखने वाले हैं। इस वजह से गाहे-बगाहे इस बस्ती के ज्यादातर लोगों पर बांग्लादेशी घुसपैठी होने की आशंका स्थानीय नागरिक जताते रहे हैं। वैसे यह बस्ती पुरी तरह से एकाएक आबाद नहीं हुई, बल्कि धीरे-धीरे लोग बाहर से आकर यहां अवैध कब्जा कर बसने लगे।

एडिशनल एसपी शहर सुखनंदन राठौर ने बताया कि पुलिस के द्वारा जिला और नगर निगम प्रशासन के साथ हथखोज इंडस्ट्रियल एरिया की नई बस्ती में बाहरी लोगों की बढ़ती हुई संख्या को देखते हुए पार्षद एवं वहां के निवासियों से वेरिफिक्रेशन करने के लिए कहा गया था। परंतु संबंधित लोगों के द्वारा इस पर ध्यान नहीं दिया गया। जिसके कारण आज सुबह 6:30 के करीब पुलिस टीम ने यहां पहुंचकर लोगों की पहचान हेतु प्रमाणिक दस्तावेज की जांच हेतु अभियान चलाया। इस दौरान लोगों के पास स्थानीय और बाहर के आधार कार्ड मिले हैं। पूछताछ में पता चला है कि लोग चार साल, दो साल और छह महीने पहले आकर बस्ती में रह रहे हैं। कुछ लोगों की पहचान संदिग्ध नजर आ रही है। ऐसे लोगों को थाने में ले जाकर पूछताछ किया जा रहा है।

हॉस्टल की दूसरी मंजिल से मूकबधिर छात्रा ने लगाई छलांग, मौके पर मौत, जांच में जुटी पुलिस

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर जिले में मूकबधिर छात्रा ने हॉस्टल की दूसरी मंजिल से छलांग लगा दी। हॉसटल की केयर टेकर की मौजूदगी में उसने छलांग लगाई जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। बताया जा रहा है कि जिस समय उसने छलांग लगाई तब वच वीडियो कॉल पर किसी से इशारों में बात कर रही थी। सूचना के बाद पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। मामला सिरगिट्टी थाना क्षेत्र का है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार छात्रा का नाम पल्लवी है। वह कोरबा की रहने वाली थी और दो माह पहले ही बिलासपुर जिले के तिफ्रा स्थित आश्रयदत्त कर्मशाला (हॉस्टल) में रहने आई थी। बिलासपुर में उसने कम्प्यूटर कोर्स करने एक इंस्टीट्यूट में दाखिला लिया था। घटना शुक्रवार की सुबह की बताई जा रही है। वह मोबाइल पर वीडियो कॉल पर इशारों से बात करते हुए छत पर पहुंची। इस दौरान हॉस्टल की केयर टेकर अलका कोरी ने छत पर उसे जाते देखा। पल्लवी छत के किनारे गई और छलांग लगा दी। छत से छलांग लगाने के साथ ही उसकी चीख निकल गई। सिर के बल गिरने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

घटना की सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने हॉस्टल की केयर टेकर सहित अन्य छात्राओं का बयान लिया। पुलिस ने शव को पीएम लिए भेजा है। वहीं पुलिस ने छात्रा का मोबाइल जब्त किया है। छात्रा ने छलांग लगाने से पहले किससे बात की इसका खुलासा जांच के बाद ही हो पाएगा। वहीं छात्रा की बहन ने हॉस्टल प्रबंधन पर गुमराह करने का आरोप लगाया है। मृतका की बहन का कहना है कि हॉस्टल प्रबंधन द्वारा उसे सही जानकारी नहीं दी गई और बार बार उसे गुमराह किया गया। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी है।

महेंद्रा एक्सयूव्ही 500 वाहन से 157.96 किलो गांजा बरामद, चालक हुआ फरार

जगदलपुर (ए.)। नगरनार पुलिस को मुखबीर से सूचना मिला कि एक सिल्वर रंग के महेंद्रा एक्सयूव्ही 500 क्रमांक डीएल-12-सीए-5468 में अवैध रूप से मादक पदार्थ गांजा रखकर उड़ीसा की ओर से तिरिया माचकोट जंगल के रास्ते होते हुए परिवहन कर रहे हैं। सूचना पर नगरनार पुलिस की टीम के द्वारा ग्राम तिरिया माचकोट जंगल के पास पहुंच कर देखा कि तिरिया माचकोट जंगल के पास महेंद्रा एक्सयूव्ही 500 क्रमांकडीएल-12-सीए-5468 खड़ा था। जिसका चालक पुलिस को देखकर कार को मौके पर छोडकर जंगल का फायदा उठाकर भाग गया।

पुलिस टीम के द्वारा वाहन चालक का जंगल में पतासाजी हेतु हरसंभव प्रयास किया गया, लेकिन नहीं मिला। मौके पर चालक के द्वारा छोडकर भागे कार का तलाशी लिया गया वाहन की डिक्की में मादक पदार्थ गांजा 30 पैकेट कुल 157.96 किलो बरामद कर परिवहन में प्रयुक्त वाहन क्रमांक महेंद्रा एक्सयूव्ही500 क्रमांकडीएल-12-सीए-5468 को जप्त किया गया। आरोपी वाहन चालक का कृत्य अपराध धारा 20 (ख) ।। (ग) एनडीपीएस एक्ट का पाये जाने से आरोप चालक के खिलाफअपराध सदर कायम कर विवेचना में लिया गया। फरार वाहन चालक की सरगर्मी से पतासाजी कार्यवाही जारी है। इस पूरी कार्यवाही में निरीक्षक टामेश्वर चौहान सउनि सतीस कुमार यादव, सउनि दिनेश ठाकुर, प्रधान आरक्षक अहिलेश नाग, आरक्षक दशरू नाग, वेदप्रकाश देशमुख, डीएसएफ आरक्षक, विरेन्द्र ठाकुर, जोगेश्वर कश्यप, सैनिक जगन्नाथ नाग का योगदान रहा है।

छत्तीसगढ़ में तंत्रमंत्र के चक्कर में चार लोगों की हत्या कर दफन किए शव!, पुलिस की गिरफ्त में साइको किलर

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। छत्तीसगढ़ में तंत्रमंत्र के चक्कर में चार से ज्यादा हत्याओं का चौंकाने वाला मामला सामने आया है! यह मामला राजधानी रायपुर, धमतरी व दुर्ग जिले से जुड़ा हुआ है। इस मामले में धमतरी पुलिस ने साइको किलर को अरेस्ट करने के बाद उसके कहने पर दुर्ग के पाटन में मेजिस्ट्रेट की मौजूदगी में खुदाई भी की। हालांकि खुदाई में पुलिस के हाथ कुछ नहीं लगा। फिलहाल धमतरी पुलिस साइको किलर से पूछताछ कर रही है।

इस पूरे मामले में छावनी सीएसपी व पाटन एसडीओपी हरिश पाटिल ने बताया कि रायपुर पर धमतरी के तीन प्रकरणों से जुड़ा यह मामला है। धमतरी पुलिस ने धनोरा निवासी खुशवंत साहू को हिरासत में लिया है। आरोपी द्वारा तंत्रमंत्र, कछुआ व हांडा निकालने के नाम पर उगाही की। इसके बाद जब कुछ नहीं हुआ तो झांसे में लोगों ने अपने रुपए वापस मांगे। इसके बाद आरोपी ने इन लोगों को रुपए देने के बहाने सुनसान जगह बुलाया और पानी में जहरीली चीज मिलाकर हत्या कर शवों दफना दिया गया।

सीएसपी हरिश पाटिल ने बताया कि पाटन में भी इस प्रकार के दो प्रकरण सामने आने पर आरोपी को रिमांड पर लिया गया। गुरुवार को मेजिस्ट्रेट की मौजूदगी में रानी तराई में एक जगह आरोपी के बताए जगह पर खुदाई की गई लेकिन पुलिस को कुछ नहीं मिली। दुर्ग पुलिस ने आरोपी से पूछताछ भी की है लेकिन उसके बयान में विरोधाभाष दिख रहा है। क्या वाकई उसने हत्या की है या फिर कोई कहानी है। यह भी संसय है कि उसने चार हत्याएं की हैं पांच। आरोपी द्वारा बताया गया है कि उसने साइनाइड पानी में मिलाकर हत्याएं की है। सीएसपी हरिश पाटिल ने बताया कि फिलहाल आरोपी खुशवंत धमतरी पुलिस की गिरफ्त में है और उससे पूछताछ की जा रही है जल्द ही इस मामले में और अपडेट सामने आएंगे।

छात्र ने फांसी लगाकर की खुदकुशी

धमतरी (ए.)। धमतरी रूद्री में थानाक्षेत्र में रहने वाले एक पॉलिटेक्निक के छात्र ने अपने घर पर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। छात्र किराए के मकान में रहता था। मृतक पॉलिटेक्निक कॉलेज में तीसरे सेमेस्टर का छात्र था। मिली जानकारी के अनुसार मृतक का नाम प्रियांशू रंजन (19) है जो कि रुद्री के तरिया पारा में किराए के मकान में रह कर पढ़ाई कर रहा था। युवक ने 12-13 दिसंबर की रात को छात्र ने फांसी लगा ली। पास के रूम में रहने वाला छात्र शौच गया हुआ था, अचानक खिड़की पर नजर पड़ी तो छात्र पंखे से लटका हुआ देखा और इसकी जानकारी मकान मालिक को दी। इनके बाद माकन मालिक ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और जांच में जुट गई। बताया जाता है कि मृतक छात्र मूलत: भाठापारा रेलवे कॉलोनी बलोदाबाजार का रहने वाला है तथा उसके पिता रेलवे विभाग में नौकरी करते है। मृतक ने आत्महत्या क्यों इसका कारण अज्ञात है। फिलहाल, पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

छत्तीसगढ़ शासन, जल संसाधन विभाग
कार्यालय अधीक्षण अभियंता,
षिवनाथ मण्डल, दुर्ग (छ.ग.)
ई-प्रोक्यूरमेंट निविदा सूचना
eProcurement Portal: https://eproc.cgstate.gov.in
(प्रथम आमंत्रण)

सिस्टम निविदा क्र.162680/ निविदा सूचना क्र. 20/वलेलि/2024-25. कवर्धा, दिनांक 12.12.2024

निम्नलिखित कार्यों के लिए दिनांक 02.01.2025 17:30 तक ऑन लाईन निविदाए आमंत्रित की जाती है:-

कार्य का नाम - कबीरधाम जिले के विकासखण्ड सहसपुर लोहारा की बीजाबैरागी डोमाटोला एनीकट कम काजवे के प्रोटेक्शन कार्य।

अनुमानित लागत- रू. 147.71 लाख

अन्य विवरण एवं विस्तृत निविदा छत्तीसगढ़ शासन की ई-प्रोक्योरमेंट वेब साइट https://eproc.cgstate.gov.in पर दिनांक 19.12.2024 समय 17.31 बजे से देखे तथा डाउनलोड़ किये जा सकते है।

नोट: निविदा में भाग लेने हेतु ठेकेदारों को ई-प्रोक्योरमेंट वेबसाईट https://eproc.cgstate.gov.in पर नामांकित/पंजीयन तथा लोक निर्माण विभाग की एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत ठेकेदार को उपयुक्त श्रेणी में पंजीयन कराना अनिवार्य है।

कार्यपालन अभियंता
जल संसाधन संभाग,
कवर्धा, जिला कबीरधाम (छ.ग.)
कृते-अधीक्षण अभियंता
षिवनाथ मण्डल दुर्ग (छ.ग.)

जी- 242504572/5

किसानों को खराब धान का बीज बेचने वाला स्टेट हेड गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोंड़ागांव। थाना फरसगांव में 15 नवंबर को प्रार्थी गोकुल प्रधान निवासी रांधना के द्वारा लिखित शिकायत पर अपराध क्रमांक 159/2024 धारा 420,34 भादवि. कायम कर विवेचना में लिया गया।

किसानों की समस्या को प्राथमिकता देते हुए मामला गंभीर होने से कोंड़ागांव एसपी येदुवल्ली अक्षय कुमार के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कौशलेन्द्र देव पटेल के मार्गदर्शन में तथा पुलिस अनुविभागीय अधिकारी फरसगांव अनिल विश्वकर्मा के पर्यवेक्षण में 2 अलग-अलग टीमें दीगर राज्य रवाना हुई थी, जिस पर विगर बायोटेक प्रायवेट लिमिटेड के छत्तीसगढ़ राज्य के स्टेट हेड आरोपी बंश बहादुर मानिकपुरी पिता दशरथ राम मानिकपुरी उम्र 39 वर्ष निवासी बिहारपुर थाना जयनगर जिला सूरजपुर की टीम शुक्रवार को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमाण्ड पर भेजा गया व अन्य आरोपियों की पतासाजी की जा रही है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी गोकुल प्रधान निवासी रांधना के द्वारा लिखित शिकायत दिया गया था, जिसमें शंकर कृषि केन्द्र रांधना के रमापति पाठक संचालक उमाशंकर पाठक तथा विगर बायोटेक प्रायवेट लिमिटेड के मालिक एवं एमडी., जीएम, सभी के द्वारा ज्यादा धान पैदावार होगा कहकर छल करते हुए बेईमानी पूर्वक

खराब धान को असली बताकर धोखा देकर, धान बीज बेचते समय बताए थे, कि विगर चंचल हाईब्रिड ओरिजिनल थान बीज को खरीद कर लगाने से प्रति एकड़ 40-45 क्विंटल धान की उपज आएगी एवं कीडा भी नहीं लगेगा जिसकी गारण्टी हम देते है।

वहीं फोन पर कंपनी के स्टेट हेड एमडी से बात कराकर हमें आश्वस्त भी कराया गया था। उक्त बहकावे में आकर लगभग 200 किसान लगभग 1200 पैकेट विगर चंचल हाइब्रिड धान को अपने खेतों में लगाए। लेकिन फसल पकने के समय धान बाली गल्ले के पास सूख कर सभी धान टूट गया। जिससे कृषि विभाग को सूचित करने पर कृषि वैज्ञानिकों की टीम ने कृषि विभाग के अधिकारियों के साथ उक्त नुकसान का मौके पर जांच कर रिपोर्ट भी प्रस्तुत किया गया। व्यक्तिगत रूप से प्रार्थी गोकुल प्रधान को 3 लाख 80 हजार रुपये का नुकसान हुआ एवं अन्य किसानों को भी उक्त धान फसल लगाने से भारी आर्थिक नुकसान झेलना पड़ा। जिस पर विगर बायोटेक प्रायवेट लिमिटेड के छत्तीसगढ़ राज्य के स्टेट हेड आरोपी बंश बहादुर मानिकपुरी पिता दशरथ राम मानिकपुरी उम्र 39 वर्ष निवासी बिहारपुर थाना जयनगर जिला सूरजपुर छग को पुलिस ने शुक्रवार को गिरफ्तार कर लिया है।

इस पूरे कार्यवाही में निरीक्षक संजय सिन्दे थाना प्रभारी फरसगांव, सउनि पिताम्बर कठार, प्र.आर. पवन मण्डावी थाना बडेडोंगर, कन्हैयालाल बजरंगी, प्रेमप्रकाश वैध आरक्षक धनीराम सलाम आरक्षक मनोज कुमार पोयाम का योगदान रहा।

अवैध धान परिवहन पर सख्ती, 88 क्विंटल धान के साथ तीन वाहन जब्त

कवर्धा। कलेक्टर गोपाल वर्मा के निर्देश पर कबीरधाम जिले में अवैध धान परिवहन पर कड़ी कार्रवाई जारी है। धान उपार्जन केंद्रों में कोचियों और बिचौलियों के माध्यम से धान लाने की कोशिशों पर प्रशासन की पैनी नजर है। इसी क्रम में रेंगाखार क्षेत्र के सिवनी खुर्द चेक पोस्ट पर बीती रात तहसीलदार अखिलेश ध्रुव ने औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान तीन गाडियों को अवैध धान लाते हुए पकड़ा गया। वाहनों में लदे धान की जांच की गई, जिसमें पिकअप वाहन सीजी 07सी 5565 पर 28 क्विंटल, माजदा वाहन 5252 एक्स पर 40 क्विंटल, और पिकअप वाहन सीजी 07 बीयू 9241 पर 20 क्विंटल धान लदा हुआ मिला। यह धान मध्यप्रदेश के बिटली और मंडाई गांव से छत्तीसगढ़ लाया जा रहा था, जिसे रेंगाखार क्षेत्र की समितियों में बेचने का प्रयास था। मौके पर तहसीलदार ने तुरंत कार्रवाई करते हुए धान को जप्त कर थाने में सुपुर्द कर दिया। जप्त धान पर मंडी निरीक्षक पवन शर्मा ने मंडी अधिनियम के तहत विधिवत कार्रवाई की। प्रशासन ने जिले में अवैध धान परिवहन पर सख्ती जारी रखते हुए स्पष्ट किया कि ऐसी गतिविधियों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। कबीरधाम में औचक निरीक्षण और निगरानी लगातार जारी रहेगी।

रायपुर में बोले केन्द्रीय मंत्री जेपी नड्डा-

डबल इंजन की सरकार में मिल रहा डबल फायदा, 1124 करोड़ के कार्यों का किया लोकार्पण व शिलान्यास

अटल निर्माण वर्ष के रूप में मनाया जाएगा छत्तीसगढ़ का रजत जयंती वर्ष, 3 दिसंबर से 13 दिसंबर तक हर वर्ष मनाया जाएगा जनादेश परब

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। देश में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और छत्तीसगढ़ में विष्णु देव साय की नेतृत्व वाली सरकार जनता की सेवा के लिए तत्पर होकर काम कर रही है। इसी का परिणाम है कि पूरे देश और प्रदेश में उत्तरोत्तर विकास हो रहा है। डबल इंजन की सरकार होने की वजह से लोगों को डबल लाभ हो रहा है। आज भारत विश्व की पांचवी बड़ी आर्थिक शक्ति है। अगले पांच सालों में हम दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनकर उभरेंगे। प्रधानमंत्री के कुशल नेतृत्व में देश के 25 करोड़ लोग गरीबी से बाहर आए हैं। केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री श्री जे.पी. नड्डा ने आज रायपुर के साइंस कॉलेज ग्राउंड में आयोजित जनादेश परब कार्यक्रम में लोगों को सम्बोधित करते हुए यह बात कही। केन्द्रीय मंत्री श्री नड्डा ने कार्यक्रम में 1124 करोड़ रूपए के विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण और शिलान्यास किया।

केन्द्रीय मंत्री नड्डा ने जनादेश परब में छत्तीसगढ़ सरकार के एक साल की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रदेश सरकार स्वप्रेरणा से लोकहित में पूरी जवाबदेही के साथ काम कर रही है। सरकार बनने के दूसरे ही दिन कैबिनेट की बैठक में प्रदेश के 18 लाख से अधिक जरूरतमंदों के लिए प्रधानमंत्री आवास योजना की स्वीकृति दी गई। मोदी की गारंटी के अनुरूप यहां किसानों से 3100 प्रति क्विंटल में धान खरीदी की जा रही है। किसानों को उनके हक का 3716 करोड़ रूपए धान के बकाया दो साल के बोनस का भुगतान भी किया गया है।

तमोर पिंगला तीसरा सबसे बड़ा टाइगर रिजर्व

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि गुरु घासीदास तमोर पिंगला को हमने देश का तीसरा सबसे बड़ा टाइगर रिजर्व बनाया है। इससे इको टूरिज्म को बढ़ावा मिलेगा। सरगुजा और बस्तर में एयर कनेक्टिविटी आरंभ होने से इन क्षेत्रों में तेजी से विकास के साथ ही यहां अब देश-विदेश से पर्यटकों के पहुंचने की राह खुल गई है। मोदी जी के यशस्वी नेतृत्व में छत्तीसगढ़ में सभी स्वीकृत सड़कों का निर्माण कार्य पूरा होने के बाद आगामी दो सालों में प्रदेश का सड़क नेटवर्क विकसित देशों की तरह हो जाएगा।

3 दिसंबर से 13 दिसंबर तक 'जनादेश परब'

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने जनादेश परब में घोषणा की कि अब से हर साल 3 दिसंबर से 13 दिसंबर तक 'जनादेश परब' के रूप में मनाया जाएगा। आने वाले वर्ष में छत्तीसगढ़ के 25 वर्ष पूरे हो रहे हैं। राज्य निर्माता भारत रत्न अटलजी का यह शताब्दी वर्ष भी है। उन्होंने छत्तीसगढ़ के रजत जयंती वर्ष को 'अटल निर्माण वर्ष' के रूप में मनाने की घोषणा की। श्री साय ने कहा कि अटलजी ने प्रधानमंत्री के रूप में देश में सड़कों का जाल बिछाया। उसी से प्रेरणा लेकर हम अपने रजत जयंती वर्ष में अधोसंरचना विकास को प्राथमिकता में रखेंगे। उसके बाद के तीन वर्षों में भी हम अलग-अलग थीम पर काम करेंगे।

किसानों के खातों में पहुंचे 49 हजार करोड़

मुख्यमंत्री साय ने जनादेश परब को सम्बोधित करते हुए कहा कि पिछले साल किसान भाइयों के खाते में आपकी डबल इंजिन की सरकार ने 49 हजार करोड़ रुपए डाले हैं। हमने अपने शुरूआती तीन महीनों में ही प्राथमिकता के साथ महतारी वंदन योजना का लाभ प्रदेश की माताओं-बहनों को देना आरंभ किया। 70 लाख माताओं-बहनों के खाते में महतारी वंदन योजना की अब तक 10 किश्तों में 6,530 करोड़ रुपए की राशि भेजी जा चुकी है। पहली तारीख को हम यह राशि भेज देते हैं और जैसे ही माताओं-बहनों के खाते में राशि आती है उनका चेहरा गर्व से खिल जाता है।

रामराज्य के मूल्य हैं, वहीं हमारे लिए सुशासन के मूल्य

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि जो रामराज्य के मूल्य हैं, वहीं हमारे लिए सुशासन के मूल्य हैं। हमने प्रशासन के हर स्तर पर सुशासन को सुनिश्चित किया है। हमने सुशासन के मूल्यों को सिस्टम में शामिल करने सुशासन एवं अभिसरण विभाग का गठन किया। सुशासन के लिए पारदर्शिता सबसे आवश्यक है और इसके लिए डिजिटल गवर्नेंस शुरू कराया है। लालफीताशाही को दूर करने हमने ई-आफिस प्रणाली आरंभ की है। इसमें डिजिटल माध्यम में नोटशीट आगे बढ़ती है। इससे समय-सीमा भी तय होती है और जवाबदेही भी तय हो जाती है।

बस्तर में पर्यटन कॉरिडोर का निर्माण

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि बस्तर और सरगुजा के विकास के बगैर छत्तीसगढ़ के विकास के बारे में सोचा भी नहीं जा सकता। हमने वनोपज संग्राहकों की आय बढ़ाने के लिए काम किया है। तेंदूपत्ता संग्रहण की राशि हमने 4 हजार रुपए प्रति मानक बोरा से बढ़ाकर साढ़े 5 हजार रुपए कर दी। जनजातीय गौरव दिवस के दिन हमने राज्य के बैगा, गुनिया, सिरहा आदि को पांच-पांच हजार रुपए सम्मान निधि देने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि बस्तर में पर्यटन कॉरिडोर का निर्माण हम कर रहे हैं। कांगेर घाटी के गांव धुड़मारास को संयुक्त राष्ट्र पर्यटन संगठन ने दुनिया के 20 चुनिंदा गांवों में शामिल किया है।

सबसे बड़ी सफलता माओवादी मोर्चे पर मिली

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमें सबसे बड़ी सफलता माओवादी मोर्चे पर मिली है। एक साल पहले किसी के लिए यह सोचना भी कठिन था कि माओवाद के नासूर को नष्ट किया जा सकता है। एक साल में 2 सौ से अधिक माओवादियों को मार गिराया। नियद नेल्ला नार योजना के माध्यम से माओवाद की जड़ से मुक्त हुए गांवों में पुन: विकास की रोशनी पहुंची है। हमने नई उद्योग नीति तैयार की है, जिसमें अगले पांच सालों में ढाई लाख करोड़ रुपए के निवेश के माध्यम से पांच लाख रोजगार सृजित करेंगे। हमने शासकीय सेवाओं में हजारों पदों में भर्ती प्रक्रिया आरंभ कर दी है।

केन्द्रीय मंत्री नड्डा को भेंट की अयोध्या के राम मंदिर की प्रतिकृति

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कार्यक्रम में केन्द्रीय मंत्री नड्डा को बस्तर के कलाकारों द्वारा बेल मेटल से निर्मित अयोध्या के राम मंदिर की प्रतिकृति भेंट की। कार्यक्रम में पद्मश्री से सम्मानित सैंड आर्टिस्ट श्री सुदर्शन पटनायक द्वारा राज्य शासन की योजनाओं पर रेत से तैयार की गई कृति का प्रदर्शन किया गया। इस अवसर पर विधायक किरण सिंह देव ने कार्यक्रम में स्वागत भाषण दिया। उप मुख्यमंत्री अरूण साव ने आभार प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह, महाराष्ट्र के पूर्व राज्यपाल रमेश बैस और बिहार के कैबिनेट मंत्री नितिन नवीन सहित मंत्रिमण्डल के सभी सदस्य, विधायकगण और गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

नई औद्योगिक नीति से भारत का इंडस्ट्रीयल हब बनेगा छत्तीसगढ़ : विष्णुदेव साय

नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में उद्योगों को दिए जा रहे विशेष प्रोत्साहन, आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों को रोजगार देने पर उद्योगों को मिलेगा सब्सिडी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। नई औद्योगिक नीति के माध्यम से छत्तीसगढ़ को भारत का इंडस्ट्रीयल हब बनाने की दिशा में हमारी सरकार प्रयास कर रही है। इस नीति के तहत क्षेत्रीय आर्थिक विकास, रोजगार सृजन, बुनियादी ढांचे के आधुनिकीकरण एवं औद्योगिक निवेश बढ़ाने पर जोर दिया गया है। आज नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित इंडिया इकॉनोमिक कॉन्क्लेव में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने ऑनलाइन जुड़ कर यह बात कही।

मुख्यमंत्री श्री साय ने बताया कि छत्तीसगढ़ सरकार ने राज्य के जनजातीय और पिछड़े क्षेत्रों के विकास के लिए कई महत्वपूर्ण प्रावधान किए हैं। उन्होंने बताया कि अगले पांच वर्षों में छत्तीसगढ़ में पांच लाख नौकरियां सृजित की जाएगी। नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में उद्योगों को विशेष प्रोत्साहन सहित कई अन्य सहायता दी जा रही है, जिसके तहत आत्मसमर्पित नक्सलियों को रोजगार उपलब्ध कराने पर उद्योगों को उनके वेतन का 40 प्रतिशत तक सब्सिडी के रूप में प्रतिपूर्ति की जायेगी। इस नीति के तहत बस्तर में उद्योग लगाने पर स्थायी पूंजी निवेश अनुदान के तहत उद्योगों को 45त्न तक की सहायता दी जाएगी। वहीं, एसजीएसटी प्रतिपूर्ति के तहत अगले 10 सालों तक पूंजी निवेश का 150 प्रतिशत तक एसजीएसटी वापस भी किया जाएगा। नई नीति के तहत उद्योगों को स्टांप ड्यूटी और बिजली शुल्क में छूट, साथ ही 10 और तरह के निवेश प्रोत्साहन दिए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री श्री साय ने बताया कि बस्तर में नगरनार स्टील प्लांट की सहायक इकाइयों के लिए 118 एकड़ का नया औद्योगिक क्षेत्र भी स्थापित किया जा रहा है। इससे सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योगों की स्थापना को प्रोत्साहन मिलेगा। श्री साय ने कहा नई उद्योग नीति में निवेशकों के लिए सिंगल विंडो सिस्टम 2.0 को शामिल किया गया है। इससे वे एक ही जगह पर कई विभागों का क्लीयरेंस प्राप्त कर सकते हैं। यह नीति प्रदेश में एमएसएमई सेक्टर को बढ़ावा देने वाली नीति है। हम इस नीति में ग्रीन इंडस्ट्रीज और टेक्नोलॉजी आधारित उद्योगों को प्राथमिकता दे रहे हैं। कार्यक्रम में उद्योग विभाग के सचिव रजत कुमार एवं संचालक श्री प्रभात मलिक ने नया रायपुर और नई उद्योग नीति पर प्रजेंटेशन भी दिया।

नया रायपुर बनेगा आईटी और एजुकेशन हब

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने बताया कि नया रायपुर को आईटी हब, हेल्थ हब, एजुकेशन हब के रूप में विकसित किया जा रहा है। आईटी और संबंधित फर्मों को रियायती दरों पर प्लग एंड प्ले इंफ्रास्ट्रक्चर उपलब्ध करा रहे हैं। आईटी सेक्टर में साढ़े तीन हजार से अधिक नौकरियों के सृजन के लिए स्थान आबंटित किए गए हैं। नया रायपुर अटल नगर की रेलवे लाइन का ट्रायल रन पूरा हो गया है। उन्होंने बताया हम सीबीडी रेलवे स्टेशन के निर्माण, सड़कों और सार्वजनिक पार्किंग जैसी अधोसंरचनाओं पर 150 करोड़ रुपए खर्च कर रहे हैं। तीन अन्य रेलवे स्टेशनों का भी निर्माण किया जा रहा है। उन्होंने बताया इस साल के अंत तक नया रायपुर से जुड़ी कई परियोजनाएं पूरी हो जाएंगी। इनमें आईटी एवं संबंधित क्षेत्र, इलेक्ट्रॉनिक मैन्युफैक्चरिंग, घरेलू उपकरण, रक्षा, फार्मास्युटिकल, मल्टी मॉडल लॉजिस्टिक हब जैसी परियोजनाएं शामिल हैं।

नक्सलवाद के खिलाफ विकास और सुरक्षा की नीति

नक्सलवाद से निपटने में सरकार के प्रयासों को रेखांकित करते हुए मुख्यमंत्री साय ने कहा कि इस साल अनेक नक्सली मारे गए हैं और करीब 1500 ने आत्मसमर्पण किया है या उन्हें गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने अगले दो वर्षों के भीतर छत्तीसगढ़ से नक्सलवाद को खत्म करने की सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने कहा हमने नक्सलवाद के खिलाफविकास और सुरक्षा की नीति पर काम किया है। बीते एक साल में बस्तर में 34 सुरक्षा कैम्प स्थापित करने के साथ-साथ नियद नेल्ला नार योजना के माध्यम से अंदरूनी गांवों तक अधोसंरचनाओं का विकास किया जा रहा है।

बुनियादी ढांचे के विकास को प्राथमिकता

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने बताया विकसित भारत के लिए विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण का लक्ष्य रखा है। इसके तहत राज्य में अधोसंरचनाओं के विकास को प्राथमिकता दी जा रही है। केंद्र सरकार से 31 हजार करोड़ रुपए की महत्वपूर्ण सड़क परियोजनाएं स्वीकृत हुई हैं। बस्तर और सरगुजा के अंदरुनी गांवों तक सड़कों का विस्तार किया जा रहा है। उन्होंने बताया रायपुर-विशाखापटनम इकॉनोमी कॉरिडोर, अनेक रेल परियोजनाओं पर तेजी से काम हो रहा है। रायपुर, बिलासपुर, जगदलपुर हवाई अड्डों का विस्तार हो रहा है। रायपुर से अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के लिए केंद्र सरकार ने हरी झंडी दे दी है।

डिजिटल गवर्नेंस और पारदर्शिता पर जोर

मुख्यमंत्री ने बताया कि छत्तीसगढ़ में पारदर्शिता सुनिश्चित करने और भ्रष्टाचार पर लगाम लगाने के लिए सरकार ने डिजिटल गवर्नेंस को लागू किया है। प्रशासन में जवाबदेही बढ़ाने के लिए आईटी उपकरणों में 266 करोड़ रुपये का निवेश किया गया है। अटल मॉनिटरिंग ऐप से सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन की निगरानी की जा सकती है। माध्यम से पोर्टल में आवेदन देकर बिना इंतजार किए सुगमता से मंत्रालय में अधिकारियों से मिला जा सकता है। सीएमओ पोर्टल के माध्यम से शासन-प्रशासन से जुड़ी सूचनाओं की जानकारी त्वरित रूप से नागरिकों को मिल जाती है। सुगम एप के माध्यम से अब लोग घर बैठे रजिस्ट्री कर सकते हैं।

जल आपूर्ति और ग्रामीण विकास पर जोर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने राज्य के हर घर में स्वच्छ पेयजल पहुंचाने की योजना जल जीवन मिशन की प्रगति की जानकारी दी. उन्होंने बताया कि मिशन का 79त्न से अधिक काम पूरा हो चुका है और अब तक 40 लाख घरों में नल के पानी की सुविधा उपलब्ध कराई गई है।

प्रधानमंत्री स्ट्रीट वेंडर्स आत्मनिर्भर निधि (पीएम स्वनिधि) योजना में धमतरी जिले को मिली सफलता

श्रीकंचनपथ न्यूज

धमतरी। प्रधानमंत्री स्ट्रीट वेंडर्स आत्मनिर्भर निधि (पी.एम.स्वनिधि) योजना में धमतरी जिले को सफलता मिली है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने नगर निगम धमतरी को पीएम स्वनिधि योजना और राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन (एनयूएलएम) के सफल क्रियान्वयन के लिए पुरस्कृत किया।

यह सम्मान रेहड़ी-पटरी व्यवसायियों की मदद में अव्वल रहने के मद्देनजर नगरनिगम धमतरी को मिला है। नगर निगम आयुक्त सुश्री प्रिया गोयल सहित मिशन मैनेजर विमल साहू ने यह सम्मान मुख्यमंत्री और उप मुख्यमंत्री के हाथों प्राप्त किया। धमतरी नगर निगम ने इन योजनाओं के अंतर्गत छोटे व्यापारियों, रेहड़ी-पटरी विक्रेताओं और शहरी गरीबों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में सराहनीय कार्य किया है।

धमतरी नगर निगम ने प्रधानमंत्री स्ट्रीट वेंडर्स आत्मनिर्भर निधि (पीएम स्वनिधि) योजना के तहत सैकड़ों रेहड़ी-पटरी व्यवसायियों को किफायती ऋण उपलब्ध कराया है। इससे इन छोटे व्यापारियों को अपने व्यवसाय को फिर से खड़ा करने और आर्थिक स्थिरता प्राप्त करने में मदद मिली। धमतरी नगर निगम ने इन योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू किया। बता दें कि 12 दिसम्बर को राजधानी रायपुर के पंडित दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के राज्य शहरी विकास अभिकरण द्वारा आयोजित सम्मान समारोह में पीएम स्वनिधि तथा राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन में उत्कृष्ट कार्य करने वाले निकायों, बैंकों, लाभार्थियों एवं स्ट्रीट वेंडर्स को मुख्यमंत्री के हाथों सम्मानित किया गया था।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950